दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'सफलता अवसर मिलने से नहीं, बल्कि अवसर बनाने के साहस, धैर्य और निरंतर प्रयास से मिलती है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-222 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 6 जुलाई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

संकल्प की शक्ति : गिरकर उठने वालों के कदम ही इतिहास लिखते हैं

जीवन की सबसे बड़ी सच्चाइयों में से एक यह है कि सफलता केवल बल, बुद्धि या प्रतिभा से प्राप्त नहीं होती। संसार में ऐसे अनेक लोग मिल जाएंगे जो शारीरिक रूप से बलवान हैं, बौद्धिक रूप से अत्यंत प्रतिभाशाली हैं, संसाधनों से संपन्न हैं, लेकिन फिर भी जीवन में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते। दूसरी ओर अनेक ऐसे लोग भी हैं जिनके पास न पर्याप्त साधन होते हैं, न विशेष सुविधाएँ और न ही कोई असाधारण प्रतिभा, फिर भी वे अपने दृढ़ संकल्प के बल पर इतिहास रच देते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि सफलता का वास्तविक आधार बल या बुद्धि नहीं, बल्कि अटूट संकल्प होता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। मनुष्य का जीवन संघर्षों की पाठशाला है। यहाँ हर व्यक्ति कभी न कभी असफल होता है, ठोकर खाता है और निराशा का सामना करता है। किंतु असफलता स्वयं में हार नहीं है। वास्तविक हार तब होती है जब व्यक्ति गिरने के बाद उठने का साहस छोड़ देता है। इसलिए किसी व्यक्ति की सफलता का मूल्यांकन इस आधार पर नहीं किया जाना चाहिए कि वह कितनी बार गिरा, बल्कि इस आधार पर किया जाना चाहिए कि वह हर बार गिरकर कितनी दृढ़ता से पुनः खड़ा हुआ।

प्रकृति स्वयं हमें यही संदेश देती है। बीज जब धरती के भीतर दबाया जाता है, तब वह समाप्त नहीं होता, बल्कि उसी अंधकार में अपनी नई यात्रा प्रारंभ करता है। मिट्टी को चीरकर बाहर निकलता है, आँधियों और धूप का सामना करता है और अंततः विशाल वृक्ष बन जाता है। यदि वह दबने को ही अपनी हार मान लेता, तो कभी वृक्ष नहीं बन पाता। ठीक इसी प्रकार कठिन परिस्थितियाँ भी मनुष्य को समाप्त करने के लिए नहीं, बल्कि उसे मजबूत बनाने के लिए आती हैं। इतिहास ऐसे असंख्य उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिन्होंने बार-बार असफल होने के बाद भी अपने संकल्प को कमजोर नहीं होने दिया। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर ने सामाजिक अपमान और अभावों के बीच शिक्षा को अपना अस्त्र बनाया। ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने साधारण परिवार से निकलकर विज्ञान और राष्ट्र निर्माण की ऊँचाइयों को छुआ। महात्मा ज्योतिराव फुले ने विरोध और उपेक्षा के बावजूद समाज सुधार का अभियान नहीं छोड़ा। इन महान विभूतियों के पास केवल प्रतिभा ही नहीं थी, बल्कि उससे भी अधिक दृढ़ संकल्प था, जिसने उन्हें हर बाधा के बाद आगे बढ़ना सिखाया। आज का युग त्वरित सफलता का युग बन गया है। अधिकांश लोग चाहते हैं कि बिना संघर्ष के सफलता मिल जाए। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली चमक-दमक लोगों को यह भ्रम देती है कि सफलता बहुत आसान है। लेकिन वास्तविक जीवन में हर बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, अनुशासन, धैर्य और निरंतर संघर्ष छिपा होता है। जो लोग केवल पहली असफलता देखकर अपना लक्ष्य बदल देते हैं, वे कभी अपनी वास्तविक क्षमता को पहचान ही नहीं पाते। संकल्प वह शक्ति है जो परिस्थितियों से बड़ी होती है। जब मनुष्य किसी लक्ष्य के प्रति पूरी निष्ठा से समर्पित हो जाता है, तब संसाधनों की कमी भी उसके कदम नहीं रोक पाती। कमजोर संकल्प वाला व्यक्ति छोटी-सी कठिनाई में बहाने खोजने लगता है, जबकि मजबूत संकल्प वाला व्यक्ति हर समस्या में समाधान ढूँढ़ लेता है। यही अंतर साधारण और असाधारण व्यक्तियों के बीच की रेखा बनाता है। जीवन में गिरना स्वाभाविक है। कोई विद्यार्थी परीक्षा में असफल हो सकता है, कोई किसान प्राकृतिक आपदा से नुकसान उठा सकता है, कोई व्यापारी घाटे का सामना कर सकता है या कोई खिलाड़ी प्रतियोगिता हार सकता है। लेकिन इन परिस्थितियों में जो व्यक्ति स्वयं को संभालकर फिर से प्रयास करता है, वही अंततः सफलता का वास्तविक अधिकारी बनता है। असफलता अनुभव देती है, अनुभव आत्मविश्वास देता है और आत्मविश्वास सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। परिवार, समाज और शिक्षा व्यवस्था की भी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों और युवाओं को केवल जीतना ही नहीं, बल्कि हार के बाद संभलना भी सिखाएँ। यदि बच्चों को यह समझा दिया जाए कि असफल होना अपराध नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, तो वे जीवन की कठिनाइयों से कभी नहीं घबराएँगे। जिस समाज में धैर्य, संघर्ष और संकल्प का सम्मान होता है, वही समाज प्रगति करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सफलता की परिभाषा बदलें। सफलता केवल ऊँचे पद, अधिक धन या प्रसिद्धि का नाम नहीं है। वास्तविक सफलता वह है जिसमें व्यक्ति हर कठिनाई के बाद भी अपने मूल्यों, अपने उद्देश्य और अपने संकल्प को जीवित रखे। जो व्यक्ति गिरकर भी मुस्कराते हुए उठना जानता है, वही जीवन का सच्चा विजेता है।

अंततः यही कहा जा सकता है कि बल और बुद्धि मनुष्य को अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन उन अवसरों को उपलब्धि में बदलने का कार्य दृढ़ संकल्प करता है। ऊँचाइयों तक पहुँचना निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, परंतु उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है बार-बार गिरकर भी उसी उत्साह और विश्वास के साथ आगे बढ़ते रहना। इतिहास उन्हीं लोगों को याद रखता है जिन्होंने परिस्थितियों के सामने घुटने नहीं टेके, बल्कि हर हार को नई शुरुआत में बदल दिया। इसलिए यदि जीवन में स्थायी सफलता प्राप्त करनी है, तो अपने संकल्प को कभी कमजोर मत होने दीजिए, क्योंकि गिरकर उठने वाले कदम ही अंततः इतिहास की दिशा बदलते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा रत्न सम्मान में पहुंचीं डिप्टी सीएम दीया कुमारी

शिक्षा से ही बनेगा विकसित भारत, मेधावी स्टूडेंट्स को आगे बढ़ाना समाज की जिम्मेदारी : दीया कुमारी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। राष्ट्रीय शिक्षा रत्न सम्मान समारोह में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव है और मेधावी विद्यार्थियों को आगे बढ़ाना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं को शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। स्वर्णकार सेवा दल की ओर से रविवार को बिड़ला सभागार में राष्ट्रीय शिक्षा रत्न सम्मान-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र, मेडल, स्मृति-चिह्न और स्टेशनरी सामग्री भेंट कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोग मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के चेहरे पर सम्मान मिलने की खुशी साफ दिखाई दी, वहीं अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की सफलता पर गर्व महसूस किया। दिया कुमारी ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करती है। शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार, संस्कारी और जागरूक नागरिक बनाने की प्रक्रिया है।

डिप्टी सीएम ने की स्वर्णकार सेवा दल की इस पहल की सराहना

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने स्वर्णकार सेवा दल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करना अत्यंत प्रेरणादायी कार्य है। ऐसे आयोजन न केवल विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित भी करते हैं। उन्होंने कहा कि जब समाज अपने मेधावी बच्चों को पहचान देता है, तो वे और अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं और दूसरे विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा बनते हैं। दीया कुमारी ने अपने संबोधन में सभी सामाजिक संगठनों और समाजों से आग्रह किया कि वे भी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे सम्मान समारोह आयोजित करें।

आज का विद्यार्थी कल का बनाएगा भारत

उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी ही कल का भारत बनाएगा। इसलिए युवाओं को केवल पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज, संस्कृति और नैतिक मूल्यों के प्रति भी अपनी जिम्मेदारियों को समझना होगा।

होनहार बच्चों के सम्मान से शिक्षा का स्तर बेहतर होगा

उन्होंने कहा कि अगर हर समाज अपने होनहार बच्चों का सम्मान करेगा, तो निश्चित रूप से शिक्षा का स्तर और बेहतर होगा और युवाओं में आगे बढ़ने की नई ऊर्जा पैदा होगी। समारोह के दौरान सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। मेधावी छात्र-छात्राओं ने इसे अपने जीवन का यादगार पल बताया। वहीं अभिभावकों ने कहा कि इस तरह के सम्मान बच्चों को आगे बढ़ने की नई प्रेरणा देते हैं और उनकी मेहनत को नई पहचान मिलती है।

सिर्फ अंक नहीं, संस्कार भी जरूरी

दीया कुमारी ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए मेहनत, अनुशासन और ईमानदारी सबसे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी अच्छा इंसान बनना है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता-पिता, गुरुजनों और समाज के प्रति सम्मान बनाए रखने तथा अपनी प्रतिभा का उपयोग देश और समाज के विकास में करने का आह्वान किया।

दैनिक भीम प्रज्ञा में प्रकाशित खबर का असर

8 दिन बाद हरकत में आया प्रशासन, गोदा का बास में शुरू हुआ ट्रांसफॉर्मर व पोल लगाने का कार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

सूरजगढ़ क्षेत्र के गांव रघुवीरपुरा (गोदा का बास) में अनुसूचित जाति के 18 परिवारों के आठ दिनों से अंधेरे में रहने की समस्या को लेकर दैनिक भीम प्रज्ञा में प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन और बिजली विभाग हरकत में आ गया। रविवार सुबह करीब 9 बजे से बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचकर नए बिजली पोल और ट्रांसफॉर्मर लगाने के कार्य में जुट गए।उल्लेखनीय है कि तेज आंधी के दौरान ट्रांसफॉर्मर गिर जाने से पूरे मोहल्ले की बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी। विभाग की ओर से सुनवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने निजी वाहन से

खराब ट्रांसफॉर्मर स्वयं बिजली विभाग के कार्यालय पहुंचाया था। इसके बावजूद लगातार आठ दिनों तक बिजली बहाल नहीं होने से लोगों को भीषण गर्मी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीण आशीष कुमार ने बताया कि कई बार विभागीय अधिकारियों को सूचना देने और कार्यालय के चक्कर लगाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। दैनिक भीम प्रज्ञा में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लिया और रविवार सुबह से बिजली विभाग के कर्मचारियों ने पोल एवं ट्रांसफॉर्मर लगाने का कार्य शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने उनकी समस्या को प्रमुखता से उठाने के लिए दैनिक भीम प्रज्ञा का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि जल्द ही बिजली आपूर्ति पूरी तरह बहाल हो जाएगी।यह संस्करण 'दैनिक भीम प्रज्ञा में प्रकाशित खबर का असर' को प्रमुखता देता है और समाचार शैली में संतुलित रूप से प्रस्तुत करता है।

घीलोठ की बेटी डॉ. ज्योति यादव बनीं आर्मी मेडिकल कोर में कैप्टन, 7 जुलाई को गांव में होगा भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराणा।

रमेशचंद। उपखंड क्षेत्र के गांव घीलोठ की बेटी डॉ. ज्योति यादव का आर्मी मेडिकल कोर में कैप्टन पद पर चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर गांव में खुशी का माहौल है। 7 जुलाई को डॉ. ज्योति यादव के गांव पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। सूबेदार वीरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि डॉ. ज्योति यादव, करण सिंह की पुत्री हैं। उन्होंने आर्मी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की है। ज्योति के पिता करण सिंह भारतीय सेना की आर्टिलरी कोर से हवलदार के पद सेवानिवृत्त हैं। पिता की सैन्य पृष्ठभूमि और परिवार के प्रोत्साहन ने ज्योति को बचपन से ही देश सेवा के लिए प्रेरित किया। कैप्टन ज्योति यादव ने बताया कि सेना की वर्दी पहनना उनका बचपन का सपना था, जिसे उन्होंने कड़ी मेहनत और परिवार के सहयोग से पूरा किया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और पूरे परिवार को दिया। ज्योति यादव को वर्तमान में

मिलिट्री हॉस्पिटल, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश में तैनाती मिली है। उन्हें सेना की कर्नल अधिकारी अपर्णा सिंह, उनके पिता पूर्व सैनिक अधिकारी करण सिंह यादव और माता मंजू यादव द्वारा स्टार लगाकर कैप्टन पद से सम्मानित किया गया। ज्योति यादव के कैप्टन बनने की खबर मिलते ही गांव घीलोठ व आसपास के क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताते हुए कहा कि 7 जुलाई को विभिन्न मार्गों से होते हुए नीमराणा हाईवे-48 से कैंपर खुली गाड़ी में डीजे की धुन पर जगह-जगह उनका स्वागत किया जाएगा।

नवनिर्मित सामुदायिक भवन एवं स्टेडियम का केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने किया लोकार्पण, शिक्षा-खेल और कौशल पर दिया बल

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को जाट बहरोड़ में नवनिर्मित सामुदायिक भवन एवं स्टेडियम का लोकार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को पुस्तकालयों, खेल मैदानों और कौशल विकास से जोड़कर ही क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि समाज की प्रगति केवल सरकारों के प्रयासों से नहीं, बल्कि जनसहभागिता और सकारात्मक सोच से संभव होती है। उन्होंने सामुदायिक भवन को सामाजिक गतिविधियों का केंद्र बनाने और इसका उपयोग समाजहित के कार्यों के लिए करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के संयोजक सुरेंद्र सहित निर्माण कार्य से जुड़े सभी लोगों को समय से पूर्व निर्माण पूर्ण कराने पर बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि स्टेडियम केवल निर्माण तक सीमित नहीं रहने चाहिए। वहां नियमित खेल गतिविधियां संचालित हों ताकि बच्चे और युवा खेलों से जुड़कर स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर हों। उन्होंने सेवानिवृत्त सैनिकों से भी खेल गतिविधियों के संचालन में सहयोग देने का आह्वान किया। भूपेंद्र यादव ने कहा कि गांवों में ई-लाइब्रेरी स्थापित करने का उद्देश्य ग्रामीण विद्यार्थियों को अपने गांव में ही

प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर उपलब्ध कराना है। इससे विद्यार्थियों को बड़े शहरों में रहकर अनावश्यक खर्च नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने जाट बहरोड़ क्षेत्र में भी ई-लाइब्रेरी स्थापित कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के युवाओं को खेती के साथ-साथ कौशल विकास पर भी ध्यान देना होगा। औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार के साथ रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे, जिनका लाभ उठाने के लिए युवाओं का दक्ष होना जरूरी है। केंद्र सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कौशल विकास को बढ़ावा दे रही है। केंद्रीय मंत्री ने क्षेत्र की गौरवशाली सैन्य परंपरा का उल्लेख करते हुए शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में स्थापित शहीद स्मारक केवल स्मृति चिह्न नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा के केंद्र हैं। इनका सम्मान, संरक्षण और नियमित रखरखाव समाज का दायित्व है। इस अवसर पर जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, जाट महासभा अध्यक्ष अमित, अलवर डेयरी चेयरमैन नितिन सांगवान, जिला अध्यक्ष महासिंह, पंचायत समिति प्रधान महेश गुप्ता, डॉ. शालू, केडी यादव, कैलाश चंद शर्मा, मनीष यादव, अनूप यादव, पवन यादव, विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

विवेकानंद स्कूल के प्रिंसिपल विनोद कुमार सैनी बने इंडोकिक एसोसिएशन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

मंड्रेल्ला रोड स्थित विवेकानंद स्कूल के प्रिंसिपल विनोद कुमार सैनी को इंडोकिक फेडरेशन द्वारा 'इंडोकिक एसोसिएशन राजस्थान' का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। खेल जगत में पिछले तीन वर्षों से निरंतर उत्कृष्ट योगदान देने के फलस्वरूप उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपनी नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सैनी ने इंडोकिक फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश चंद्र का आभार व्यक्त किया। उन्होंने संकल्प लेते हुए कहा, 'मैं राजस्थान में इंडोकिक खेल के विकास और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी निष्ठा और तत्परता से कार्य करूँगा।' उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र के खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है।

अरावली चेतना संस्थान के साथ मिलकर 25 हजार पेड़ पौधे लगाने का है लक्ष्य

किशोरपुरा गांव में पेड़ लगाकर की शुरुआत

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा। अरावली चेतना संस्थान सेवा उदयपुरवाटी के संयोजक के के सैनी के नेतृत्व में उदयपुरवाटी क्षेत्र में 25000 पेड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है जिसकी शुरुआत उदयपुरवाटी क्षेत्र का गांव किशोरपुरा में पांच प्रजातियों के पेड़ पौधे लगाकर की गई है। अरावली चेतना संस्थान के साथ मिलकर पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ के तहत 25000 पेड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। पेड़ पौधे उदयपुरवाटी क्षेत्र में स्थित मंदिर स्कूल सरकारी प्राइवेट कार्यालय सहित आदि जगह लगाए जाएंगे। पेड़ पौधों की रखरखाव सुरक्षा रखने का भी संकल्प लिया है। हम सब का कर्तव्य है कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण को बचाया जाए।

कांग्रेस UCC जनसुनवाई का करेगी बहिष्कार : डोटासरा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। सरकार ने प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून बनाने के संबंध में आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया है। पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा कि वे इस जनसुनवाई के आदेश को तत्काल प्रभाव से वापस लें। डोटासरा ने पत्र में कहा- सरकार ने अभी तक न तो इस कानून का मसौदा (ड्राफ्ट) तैयार किया है। न ही सुझाव और आपत्ति के लिए किसी पोर्टल या अन्य माध्यम से सार्वजनिक किया है। मसौदा सार्वजनिक किया जाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का आवश्यक हिस्सा होता है। सरकार बिना किसी मसौदे या ड्राफ्ट को सार्वजनिक किए समाज में जनसुनवाई के बहाने अनुचित बहस शुरू करना चाहती है, जो प्रदेश के सामाजिक समरसता के ताने-बाने पर सीधा प्रहार है और सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाला कदम है। डोटासरा ने कहा- इस प्रकार की बहस से विभिन्न धर्मों, जातियों एवं जनजातियों के मध्य अपने अधिकारों, परंपराओं एवं रीति-रिवाजों को लेकर गंभीर आशंकाएं हैं। इस प्रकार की जनसुनवाई से समाज के विभिन्न वर्गों के मध्य वैमनस्यता की भावना उत्पन्न होने की आशंका है। कांग्रेस पार्टी ऐसी किसी भी बहस का स्पष्ट रूप से विरोध करती है, जिससे प्रदेश की सामाजिक समरसता एवं सौहार्द प्रभावित होता हो।

अन्य विषयों से हटकर है आर्ट्स एंड क्राफ्ट का अध्यापन

आज भले ही हमारे आसपास हजारों जॉब ऑप्शंस उपलब्ध हों मगर जिन लोगों का मन शिक्षण में लगता है, उनके लिए आज भी यह बाकी सारे प्रोफेशंस से ऊपर है। यूं तो हर विषय का अध्यापन अपनी खास विशेषताएं लिए हुए होता है मगर आर्ट्स एंड क्राफ्ट का अध्यापन अन्य विषयों से हटकर है। आज, जबकि बच्चों के विकास पर जोर दिया जा रहा है, ऐसे में स्कूली स्तर पर आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर की मांग बढ़ रही है। अगर आप भी आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर बनने की चाह रखते हैं, तो इसके लिए आपको कुछ खास डिग्री/ डिप्लोमा/ सर्टिफिकेट हासिल करना होगा। ध्यान रहे, आर्ट्स एंड क्राफ्ट के तहत बहुत-से फील्ड्स आते हैं, जैसे ड्रॉइंग, पेंटिंग, थिएटर, हैंडिक्राफ्ट्स, फोटोग्राफी, पेपर आर्ट, पॉटरी, क्ले मॉडलिंग आदि। हर कला एक हुनर है और इसे सिखाना, इससे भी बड़ा हुनर।

जरूरी क्वॉलिफिकेशन

यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त किसी सरकारी/प्रायवेट कॉलेज से आर्ट का नियमित ग्रेजुएट डिग्री कोर्स।
किसी प्रतिष्ठित कॉलेज या ट्रेनिंग सेंटर/ इंस्टीट्यूट से 1 या 2 वर्ष का आर्ट का डिप्लोमा कोर्स।
किसी सरकारी कॉलेज से 6 माह का आर्ट एप्रीसिएशन सर्टिफिकेशन कोर्स।
इन सभी कोर्सेज में थ्योरी और प्रेक्टिकल दोनों महत्वपूर्ण होते हैं। ये कोर्स करने से आप कला के तकनीकी पक्ष को अच्छी तरह समझने लगते हैं। साथ ही आपको क्लासरूम मैनेजमेंट, टीचिंग इक्विपमेंट आदि के बारे में भी सीखने को मिलता है। अपने ज्ञान को विस्तार देने के लिए आप कहीं शॉर्ट-टर्म इंटर्नशिप भी कर सकते हैं। ऐसा करने से नियमित जॉब करने से पहले आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

कौन होता है अच्छा आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर

एक अच्छा आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर बनने के लिए केवल अकादमिक क्वॉलिफिकेशन ही पर्याप्त नहीं है। इसके लिए आपमें कुछ और गुण होना भी बेहद जरूरी है, जैसे:

- आपमें कला और उसके अध्यापन को लेकर पैशन हो।
- आप विद्यार्थियों के साथ सहज तालमेल बिठा लेते हों और आपमें उन्हें प्रेरित करने की क्षमता हो।
- आप अथाह धैर्य के स्वामी हों। कला और शिक्षण दोनों ही धैर्य मांगते हैं।
- आप हर वक्त कुछ नया सोचने की क्षमता रखते हों।
- आप सिखाने के साथ-साथ खुद नया सीखते रहने को भी तत्पर हों।
- विभिन्न शिक्षण तकनीकों पर आपकी मजबूत पकड़ हो।

कंपनी के ब्रांड नेम के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं प्रोफेशनल्स

आजकल अनेक प्रोफेशनल्स किसी कंपनी के एम्प्लॉयी के तौर पर कई-कई घंटे और वह भी असुविधाजनक समय पर, काम करने के बजाय फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए वे किसी कंपनी के ब्रांड नेम पर निर्भर रहने के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं।

यह बात खास तौर पर क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों पर लागू होती है, जैसे फोटोग्राफर, राइटर, कॉपी एडिटर, पेंटर, फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, कार्टूनिस्ट आदि। फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसे कई बंधनों से मुक्त हो जाते हैं, जो किसी कंपनी के रेगुलर एम्प्लॉयी के तौर पर आपको मानने पड़ते हैं।

काम के घंटे

फ्रीलांसर को 9 से 5 बजे तक ऑफिस में बैठकर काम नहीं करना होता। अगर आप सुबह देर से उठते हैं और रात देर तक काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपनी सुविधा से अपना काम का समय चुन सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स

हर ऑफिस में खेमेबाजी, राजनीति आदि होती ही है। कोई आपके काम का श्रेय लेने की फिराक में रहता है, कोई पीठ पीछे आपकी बुराई करता है। कई लोग ऐसे माहौल में असहज हो जाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ काम नहीं कर पाते। अगर आप ऐसे लोगों में से हैं, जिन्हें इस तरह का माहौल कतई बर्दाश्त नहीं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां बस आप हैं और आपका काम है।

सैलरी

आपको मैनेजमेंट के साथ अपने वेतन और वेतनवृद्धि को लेकर मोलभाव नहीं करना होता। एक बार आपने खुद को फ्रीलांसर के तौर पर स्थापित कर लिया, तो आप जो उचित समझें, उतना पैसा डिमांड कर सकते हैं। अगर आपका नाम हो गया, तो क्लाइंट्स आपकी डिमांड के अनुसार पैसा देने को तैयार रहेंगे।

बॉस

नौकरी करते हुए केवल अच्छा काम करना ही पर्याप्त नहीं होता, आपको अपने बॉस को भी खुश रखना होता है। तभी आपके काम को पहचान (और आपको तरक्की) मिलती है। मगर फ्रीलांसर के सामने ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। अगर आप अपने काम से अपने क्लाइंट्स को संतुष्ट कर दें, तो आपको मार्केट में पहचान मिल जाएगी। फिर वह क्लाइंट तो दोबारा आपके पास आएगा ही, दूसरे क्लाइंट्स भी आपका नाम सुनकर आपसे संपर्क करेंगे। यदि अधिक ऑफर्स हों, तो आप अपनी पसंद से क्लाइंट्स चुन सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए काम करना जरूरी नहीं होता, जिन्हें आप पसंद नहीं करते।

ऑफिस एटिकेट

ऑफिस में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप एक खास तरह से खुद को प्रस्तुत करें। आपको अपने कपड़ों, अपनी बोलचाल, बॉडी लैंग्वेज आदि का लगातार ध्यान रखना होता है। जब आप फ्रीलांसर के तौर पर घर से ही काम करते हैं, तो आप चाहे जैसे कपड़े पहन सकते हैं, बीच में किसी से बिंदास गपशप भी कर सकते हैं। कुर्सी पर पैर चढ़ाकर काम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी यहां कोई आपको नहीं टोकेगा।

चुनौतियां भी कम नहीं

ऐसा नहीं है कि फ्रीलांसिंग में मजा ही मजा है। इसमें आपको मेहनत तो करनी ही होती है, साथ ही इसमें खतरा भी है। यहां आपको हर महीने तयशुदा दिन तयशुदा सैलरी नहीं मिलती। जब जितना काम किया, उस हिसाब से पैसे मिलेंगे। अपनी मार्केटिंग आपको खुद करनी होती है। नेटवर्किंग, पीआर, क्लाइंट मैनेजमेंट आदि अच्छा होने पर ही फ्रीलांसर के रूप में आप सफल रह सकते हैं। यह काम अपना बिजनेस चलाने की तरह ही है। अच्छा-बुरा जो भी हो, उसके लिए आप ही जिम्मेदार होते हैं बेहतर यही होगा कि जॉब छोड़ने से पहले आप फ्रीलांसिंग की दुनिया की जांच-परख कर लें। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है। स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी इसी में है कि आप एकाध साल गुजारा करने जितना पैसा अलग से सुरक्षित रखें। वैसे बेहतर यही होगा कि आप जॉब में रहते हुए फ्रीलांसिंग शुरू कर दें और यह काम जम जाने के बाद ही जॉब छोड़ें।

आसान नहीं, चुनौतीपूर्ण है टेलिफोनिक इंटरव्यू

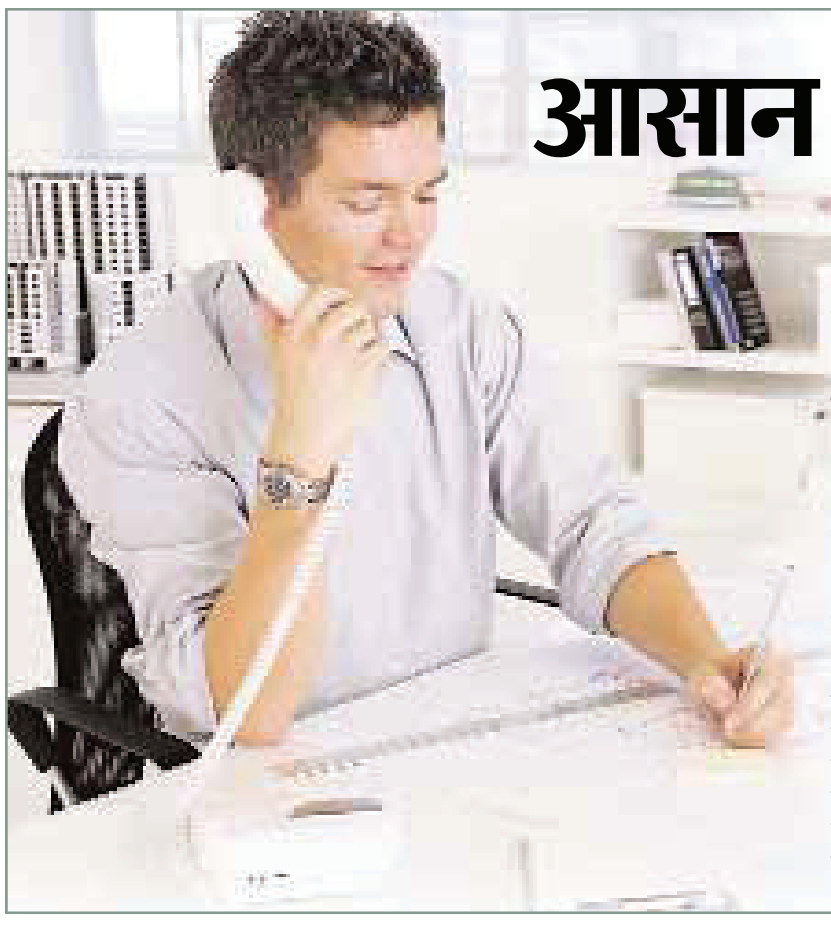

आजकल अक्सर कंपनियां नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्ट-लिस्ट करने, इंटरव्यू का खर्च कम करने या फिर दूसरे शहरों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए टेलिफोनिक इंटरव्यू लेती हैं। जो भी हो, आखिरकार यह है तो जॉब इंटरव्यू ही और अगर आप ऐसा इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपके लिए यह अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आपको केवल अपनी आवाज से ही इंटरव्यूअर को प्रभावित करना है।

आपको यह भी लग सकता है कि टेलिफोनिक इंटरव्यू देना तो आसान है क्योंकि यहां आपको इंटरव्यू बोर्ड को अपने कपड़ों, बॉडी लैंग्जवेज आदि से इम्प्रेस नहीं करना लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। चूंकि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता, सो वह आपके प्रत्येक जवाब का अधिक बारीकी से अध्ययन करेगा। ऐसे में हर सवाल का जवाब बिल्कुल सटीक होना जरूरी हो जाएगा। बेहतर यही होगा कि आप अपने टेलिफोनिक इंटरव्यू की अच्छी-खासी तैयारी कर लें। आम तौर पर उम्मीदवार को पहले से ही इंटरव्यू कॉल के दिन और समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। उस हिसाब से नियत दिन और समय पर तैयार रहें। अगर आपको अचानक ऐसे समय कॉल आ जाता है, जब आप किसी शोर-गुल वाली जगह पर या फिर बाथरूम में हैं, तो क्षमा मांगते हुए उनसे कहिए कि कृपया थोड़ी देर बाद कॉल करें। मगर ध्यान रखें, हो सकता है कि आपको त्वरित तौर पर इंटरव्यू देना ही पड़े, सो इसके लिए तैयार रहें।

इंटरव्यू से पहले

फोन इंटरव्यू कई लोगों के लिए डरावने भी हो सकते हैं क्योंकि आप सामने वाले को देख नहीं पाते और इंटरव्यूअर आपकी आवाज के टोन से आपके बारे में राय बनाएगा। कुछ तैयारी करके आप इस इंटरव्यू को आसान बना सकते हैं:

- अपना रेज्यूमे अपने सामने ही रखें।
- कागज और पेन तैयार रखें, ताकि कुछ नोट करने का काम पड़े तो यहां-वहां ढूंढना न पड़े।
- कंपनी के बारे में पहले से जानकारी एकत्र करके रखें। इंटरव्यू के दौरान यह जानकारी आपकी पहुंच के भीतर होना चाहिए।
- अपनी उपलब्धियों की सूची उदाहरण सहित तैयार रखें। टेलिफोनिक इंटरव्यू का यह एक बड़ा फायदा है कि आप लिखी हुई सूची में से पढ़कर सुना सकते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि इंटरव्यू के दौरान आपके आसपास कोई शोर-गुल या किसी तरह का व्यवधान न हो। बच्चे, मित्र या पालतू आकर आपको डिस्टर्ब न करें। रेडियो-टीवी बंद हो। आसपास कोई दूसरा फोन भी न हो, जो अचानक इंटरव्यू के बीच बज उठे।
- अपने फोन में कॉल वेटिंग को स्विच ऑफ कर लें, ताकि इंटरव्यू कॉल के दौरान व्यवधान न हो।
- अगर इंटरव्यू मोबाइल फोन पर दे रहे हैं, तो फोन को पहले ही पूरी तरह चार्ज कर लेना न भूलें।
- फोन पर इंटरव्यू देने की प्रेक्टिस करें और अपनी आवाज को रेकॉर्ड करके सुनें। उसमें जो भी कमी लगे, उसे सुधारने का प्रयास करें।
- माना कि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान थोड़े फॉर्मल कपड़े पहनेंगे, तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और आप प्रोफेशनलिज्म से इंटरव्यू दे पाएंगे।
- पानी का ग्लास जरूर अपने पास रखें।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में विकास की नई रफ्तार, राजस्थान बढ़ा विकसित प्रदेश की ओर

डबल इंजन सरकार के समन्वय से निवेश, आधारभूत ढांचा, ऊर्जा, जल और रोजगार के क्षेत्र में तेज हुई विकास यात्रा : के.के. गुप्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में बीते ढाई वर्षों के दौरान विकास कार्यों को नई गति मिलने का दावा करते हुए वरिष्ठ जनसंपर्क विशेषज्ञ एवं स्वच्छता अभियान के राज्य ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्र-राज्य के बेहतर समन्वय के कारण राजस्थान विकसित प्रदेश बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दूरदर्शी नेतृत्व तभी सफल होता है, जब उसके पीछे स्पष्ट संकल्प, मजबूत नीति और जनकल्याण की भावना हो। के.के. गुप्ता ने कहा कि दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद भजन लाल शर्मा ने अपेक्षाकृत कम समय में विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए प्रभावी पहल की है। उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग से सड़क, रेल, मेट्रो, उद्योग, ऊर्जा, जल, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति दी है। यही कारण है कि आज अनेक राजनीतिक विश्लेषक और आमजन उन्हें राजस्थान के उभरते हुए 'विकास पुरुष' के रूप में देखने लगे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के पहले वर्ष में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए, जिनमें से 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर कार्य शुरू हो चुका है। इन निवेशों का उद्देश्य केवल उद्योग स्थापित करना ही नहीं, बल्कि प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना भी है। सरकार ने निवेश प्रक्रिया को सरल बनाते हुए उद्योगों के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का भी विस्तार किया है। प्रवासी राजस्थानियों को मातृभूमि से जोड़ने की दिशा में भी सरकार ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया तथा राजस्थान फाउंडेशन की देश-विदेश में 26 शाखाओं का विस्तार किया, जिनमें 12 चैप्टर विदेशों में स्थापित किए गए हैं। के.के. गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में आधारभूत संरचना के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी

गई है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, रेलवे परियोजनाओं को गति, नई सड़कें, औद्योगिक कॉरिडोर तथा आधुनिक परिवहन सुविधाओं का विकास तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने हाल ही में राष्ट्र को समर्पित की गई लगभग 80 हजार करोड़ रुपये लागत की पचपदरा रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स को राजस्थान की सबसे बड़ी औद्योगिक उपलब्धियों में से एक बताया। उनका कहना है कि यह परियोजना न केवल राजस्थान बल्कि पूरे उत्तर-पश्चिम भारत के औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी तथा हजारों प्रत्यक्ष एवं लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगी। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 13 हजार करोड़ रुपये की जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना की आधारशिला रखी गई, जिससे राजधानी जयपुर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और अधिक आधुनिक एवं सुदृढ़ होगी। साथ ही रेलवे लाइनों के दोहरीकरण, रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास तथा नई रेल परियोजनाओं को भी गति मिली है। ऊर्जा क्षेत्र का उल्लेख करते हुए के.के. गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजस्थान को हरित ऊर्जा का अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य रखा है। सौर, पवन एवं ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर, सौर पार्कों के विस्तार और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जल संकट के समाधान को सरकार की सर्वोच्च

प्राथमिकताओं में बताते हुए उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन और पेयजल योजनाओं का व्यापक विस्तार किया जा रहा है। पूर्वी राजस्थान की महत्वाकांक्षी ईआरसीपी-पीकेसी लिंक परियोजना को केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार के सहयोग से आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने हाल ही में हरियाणा के साथ हुए 34,102 करोड़ रुपये के यमुना जल समझौते को राजस्थान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उनके अनुसार इस समझौते से भविष्य में शेखावाटी क्षेत्र के चूरू, सीकर और झुंझुनूं जिलों को यमुना का पानी उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे लंबे समय से जल संकट झेल रहे क्षेत्र को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। के.के. गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित विकसित भारत-2047, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, पीएम सूर्य घर योजना सहित अनेक राष्ट्रीय कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए हरियालो राजस्थान अभियान के तहत गत वर्ष 11 करोड़ पौधे लगाए गए तथा इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने उन्हें राज्य का स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। इसके तहत उन्होंने प्रदेशभर के नगरीय निकायों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकें कर स्वच्छता कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के प्रयास किए हैं। के.के. गुप्ता ने कहा कि किसी भी सरकार का अंतिम मूल्यांकन उसका पूरा कार्यकाल समाप्त होने के बाद ही संभव होता है, लेकिन बीते ढाई वर्षों में राजस्थान में विकास की गति स्पष्ट रूप से तेज हुई है। निवेश, आधारभूत संरचना, उद्योग, ऊर्जा, जल प्रबंधन, परिवहन और रोजगार के क्षेत्र में उठाए गए कदम भविष्य के विकसित राजस्थान की मजबूत नींव रख रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान आने वाले वर्षों में उद्योग, ऊर्जा, पर्यटन, आधारभूत संरचना और निवेश के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेगा तथा विकसित राजस्थान का सपना अब योजनाओं से निकलकर धरातल पर साकार होता दिखाई दे रहा है।

आदिवासी कांग्रेस नीमकाथाना जिला स्तरीय सम्मेलन अजीतगढ़ में आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.अजीतगढ़।

सुमेर मीणा । शहर में आदिवासी कांग्रेस नीमकाथाना जिलास्तरीय सम्मेलन प्रदेशाध्यक्ष गणेश घोघरा के मुख्य आतिथ्य एवं जिलाध्यक्ष रामनिवास मीणा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि घोघरा ने कहा कि आदिवासियों के हितों को कांग्रेस ने सदैव मजबूती दी है, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आदिवासियों के जंगलों को बड़े उद्योगपतियों को देकर अत्याचार कर रही है। संविधान में लिखा है कि हर 5 साल में पंचायत राज, नगरीय निकायों के चुनाव होंगे लेकिन भाजपा ने 6 साल से अधिक होने को है लेकिन चुनाव नहीं करवा रही है। इससे पहले जिलाध्यक्ष रामनिवास मीणा के नेतृत्व में श्रीमाधोपुर - खंडेला - नीमकाथाना विधानसभा के 6 ब्लॉक के कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का माल्यार्पण, साफा बंधवाकर स्वागत किया। सम्मलेन को प्रदेश प्रभारी राधेश्याम मोवेल, संभाग प्रभारी कैलाशी मीणा, प्रदेश संगठन सचिव हरगुण, लीलाराम मीणा ने संबोधित किया। जिलाध्यक्ष रामनिवास मीणा ने कहा कि देश में 20 करोड़ आदिवासी है और जैन समुदाय केवल 40 लाख लेकिन राजनीतिक प्रतिनिधित्व आदिवासियों को कम। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की भूमियों को सिवाय चक से वनविभाग में करके एवं आदिवासियों की भूमियों पर अतिक्रमण करके, आदिवासियों के स्कूल बंद करके निरंतर अत्याचार किया जा रहा है, जिसके खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। सम्मेलन में नरेंद्र मीणा, आदिवासी मीणा सेवा संघ जिला संरक्षक शिवलाल मीणा, जिला महामंत्री प्यारेलाल मीणा, श्रीमाधोपुर तहसील मीणा समाज अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मीणा, खंडेला तहसील अध्यक्ष मूलचंद मीणा, नीमकाथाना पूर्व अध्यक्ष पूरण मल मीणा, प्रमोद मीणा, इन्द्र सिंह मीणा, एडवोकेट सुभाष मीणा, रमेश मीणा, ज्ञानप्रकाश मीणा, प्रकाश मीणा, रोहित मीणा, रामस्वरूप मीणा, महावीर मीणा, मक्खन मीणा, लोकेश मीणा समेत अनेक आदिवासी समाज के लोग मौजूद थे। मंच संचालन अजीतगढ़ सरपंच संघ अध्यक्ष शिभू दयाल मीणा ने किया।

21 किलो की माला से प्रदेशाध्यक्ष का किया स्वागत : आदिवासी कांग्रेस के प्रथम सम्मलेन में पहुंचे प्रदेशाध्यक्ष गणेश घोघरा समेत अनेक प्रदेश नेताओं का नीमकाथाना आदिवासी जिला कांग्रेस की ओर से पुष्पवर्षा करके स्वागत किया गया। वहीं कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष रामनिवास मीणा के नेतृत्व में 21 किलो की माला से स्वागत किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने आदिवासी समुदाय को एकजुट होकर अधिकारों को संरक्षित करने वाली पार्टी कांग्रेस और नेता राहुल गांधी के साथ बढ़ने का संकल्प लिया।

सैनी प्रतिभाओं का सम्मान समारोह 24 जुलाई को

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र की सैनी समाज की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह संतरा देवी आनंद कुमार बागड़ी मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से 24 जुलाई को अपराह्न 3बजे से स्टेशन मार्ग पर गायत्री मंदिर के सामने स्थित आनंद विला कोठी में श्रीमती संतरा देवी बागड़ी की 12वीं पुण्यतिथि पर आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक राजकुमार कम्मा ने बताया कि शिक्षा, चिकित्सा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय सेवा कार्यों के लिए 15 अगस्त 2023 को जिला मुख्यालय पर जिला प्रशासन की ओर से आयोजित सार्वजनिक समारोह में राजस्थान सरकार के तत्कालीन कैबिनेट मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री से सम्मानित हो चुके संतरा देवी आनंद कुमार बागड़ी मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से इस दिन 12वां शेखावाटी स्तरीय सावित्री बाई फुले अवार्ड समारोह भी आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट का गठन एक दशक से भी अधिक समय पूर्व युवा उद्योगपति भामाशाह समाजसेवी महेश कुमार बागड़ी व प्रेमप्रकाश बागड़ी के द्वारा किया गया था ।तब से लेकर अब तक अनवरत ट्रस्ट की ओर से लक्ष्मनगढ में प्रतिवर्ष तीन महत्वपूर्ण कार्य आयोजित किए जा रहे हैं उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष 13 अप्रैल को समाजसेवी आनंद कुमार बागड़ी की पुण्यतिथि पर व 24 जुलाई को श्रीमती संतरा देवी बागड़ी की पुण्यतिथि पर सेवा व परोपकार के विभिन्न कार्यों के साथ ही शेखावाटी स्तरीय महात्मा ज्योतिबा फुले अवार्ड, सरकारी सेवा में चयनित सैनी युवाओं का सम्मान व श्रीमती संतरा देवी बागड़ी स्मृति सावित्री बाई फुले अवार्ड, सैनी समाज की प्रतिभाओं का सम्मान एवं फाल्गुन माह में शेखावाटी की लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

उन्होंने बताया कि लक्ष्मनगढ विधानसभा क्षेत्र की इस वर्ष सम्मानित होने वाली सैनी प्रतिभाओं में 10 व 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या अंक, स्नातक व स्नातकोत्तर में प्रथम श्रेणी, सीए, सीएस, एमबीबीएस, इंजीनियर, राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी, स्काउट गाइड सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि के लिए सैनी प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं को अपनी अंक तालिका की फोटो कॉपी व पासपोर्ट साइज फोटो 15 जुलाई से पूर्व ट्रस्ट को उपलब्ध करानी होगी तथा अवार्ड की घोषणा ट्रस्ट की ओर से 15 जुलाई के बाद की जायेगी। उन्होंने बताया कि आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर रविवार को आनंद विला कोठी में मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग में अलग-अलग जिम्मेदारी का निर्धारण कर कार्यक्रम की व्यवस्था, रूपरेखा व तैयारी को लेकर विचार विमर्श किया गया। मीटिंग में सज्जन कुमार सैनी, झाबरमल माली, महेंद्र कुमार माली, नथमल मावलियों की ढाणी,रतनलाल सैनी, सुशील कुमार सैनी, सीए राकेश कुमार सैनी,मनोज कुमार राकसिया, पूर्व पार्षद राकेश गौड़, मनोज कुमार धाभाईयो की ढाणी, बाबूलाल सैनी आदि मौजूद थे।

खेतड़ीनगर में सुरक्षा पखवाड़े के तहत 101 हेलमेट वितरित, भामाशाह प्रीतम शर्मा की अनूठी पहल

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत खेतड़ीनगर में सामाजिक सरोकार का प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। भामाशाह एवं निकिता ज्वेलर्स के मालिक प्रीतम शर्मा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर मोटरसाइकिल चालकों को 101 हेलमेट वितरित कर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा जिला महामंत्री पूनम धर्मपाल गुर्जर रहीं। हेलमेट वितरण कार्यक्रम खेतड़ीनगर थाना प्रभारी (सीआई) राकेश यादव के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस दौरान दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया तथा उन्हें हमेशा हेलमेट लगाकर वाहन चलाने की शपथ भी दिलाई गई। मुख्य अतिथि पूनम धर्मपाल गुर्जर ने कहा कि हेलमेट केवल जुर्माने से बचने का साधन नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। वहीं प्रीतम शर्मा ने कहा कि जन्मदिन को समाजहित के कार्यों से जोड़ना सबसे बड़ी खुशी है और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को हेलमेट का नियमित उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में धर्मा पहलवान, प्रताप सिंह, राजेश मुकेश कसाना छोटेलाल महेश जांगिड़ रोशन लाल मनीष सहित अनेक गणमान्य नागरिक पुलिस विभाग एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी कदम बताया।

बाइक की टक्कर से 15 वर्षीय बालक दाताराम की मौत, परिवार में कोहराम

भीम प्रज्ञा न्यूज.सरदारशहर।

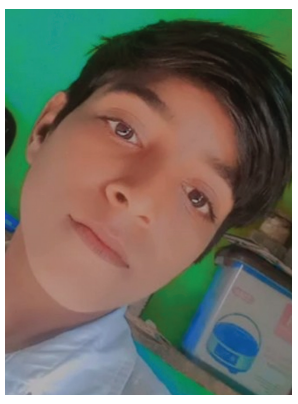

गांव बिल्यू बास रामपुरा में शनिवार शाम बोधेरा की ओर से एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़े 15 वर्षीय बालक दाताराम को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल किशोर दाताराम ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपकर जांच शुरू कर दी है। मृतक के चाचा दिलीप कुमार नायक द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, उनका 15 वर्षीय भतीजा दाताराम पुत्र शीशपाल नायक निवासी बिल्यू बास रामपुरा सड़क के किनारे खड़ा था। इसी दौरान बोधेरा की तरफ से विपरीत दिशा में आ रही आरजे 10 एस एक्स 7026 नं बाइक चालक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों की मदद से लहूलुहान हालत में दाताराम को तुरंत उपजिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जानकारी के अनुसार मृतक दाताराम सात भाई-बहनों में छठे नंबर पर था और आठवीं कक्षा में पढ़ता था। परिवार बेहद गरीब है और खेती-बाड़ी पर निर्भर है। दुखद बात यह है कि मृतक के पिता और एक बहन का पैर पहले से ही फ्रैक्चर है। इस इकलौते कमाऊ भविष्य को खोने के बाद पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है और ग्रामीण पीड़ित परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं। पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

भामाशाह उद्योगपति विमल बजाज के लक्ष्मणगढ़ आगमन पर किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ निवासी अहमदाबाद प्रवासी भामाशाह उद्योगपति विमल बजाज ने आज सपत्नीक श्री श्याम बिहारी जी एवं मंदिर प्रांगण स्थित टिडा गेला दादी दरबार में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। सामाजिक कार्यकर्ता संदीप बजाज ने बताया कि मंदिर के पुजारी पंडित जगदीश प्रसाद त्रिवेदी ने भामाशाह विमल बजाज का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर भामाशाह बजाज ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बैठने के लिए तीस कुर्सियां प्रदान की।

मुंडावर के किसानों ने विद्युत विभाग की अवैध वसूली और योजना से वंचित करने का आरोप लगाकर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेशचंद । मुंडावर नगर पालिका क्षेत्र के किसानों ने रविवार को विद्युत विभाग द्वारा कथित अवैध वसूली और मुख्यमंत्री निशुल्क विद्युत योजना से वंचित किए जाने के विरोध में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को ज्ञापन सौंपा। किसानों का आरोप है कि नगर पालिका क्षेत्र से बाहर के ग्रामीण इलाकों के किसानों को मुख्यमंत्री निशुल्क विद्युत योजना का लाभ मिल रहा है, लेकिन मुंडावर नगर पालिका क्षेत्र के किसानों को इस योजना से बाहर रखा गया है। किसानों ने सवाल उठाया कि आखिर उनके साथ ऐसा भेदभाव क्यों किया जा रहा है। ज्ञापन के दौरान केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा और उन्हें राहत दिलाई जाएगी। हालांकि किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार की ओर से इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी नहीं किए जाते, तब तक उनका आंदोलन और संघर्ष जारी रहेगा। इस अवसर पर महिपाल सारण, कपिल चौधरी, किसान महापंचायत के पदाधिकारी रामभरोसे, शेरसिंह चौधरी, राजकुमार चौधरी, मिस्री दत्त सहित मुंडावर, गांधीनगर, तीनकरुडी, श्योपुर, मोहम्मदपुर, रैनागिरी एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

जैतपुरधाम में नवनिर्मित विशाल श्याम कुंड का केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने किया लोकार्पण, श्रद्धालुओं में भारी उत्साह

भीम प्रज्ञा न्यूज.माढंण।

रमेशचंद । काठूवास क्षेत्र के हुड़िया जैतपुर गद्दी के महामंडलेश्वर रामेश्वरदास महाराज द्वारा जैतपुर स्थित प्राचीन श्याम मंदिर के समीप निर्मित विशाल श्याम कुंड का लोकार्पण रविवार को केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने फीता काटकर किया। लोकार्पण के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्याम बाबा के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। केंद्रीय मंत्री ने श्याम कुंड के पवित्र जल से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। महामंडलेश्वर रामेश्वरदास महाराज ने बताया कि खाटूधाम की तर्ज पर जैतपुरधाम आने वाले लाखों श्याम भक्तों को श्याम कुंड में स्नान का पुण्य मिल सके, इसी उद्देश्य से इस कुंड का निर्माण कराया गया है। इससे अब श्रद्धालुओं को धार्मिक आस्था के साथ-साथ सुविधा भी उपलब्ध होगी। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक कलाकार लखवीर सिंह लक्खा ने श्याम बाबा, भगवान श्रीराम एवं हनुमानजी के भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिभाव से सराबोर कर दिया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। समारोह में महामंडलेश्वर रामेश्वरदास महाराज एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव सहित अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, भाजपा नेता डॉ. मोहित यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी, इंद्र यादव, उम्मेद भाया, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. शानू यादव, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रेमलता शर्मा, जिला पार्षद जयप्रकाश झाबर, एडवोकेट बस्तीराम, माजरी ब्लॉक अध्यक्ष संदीप यादव, सचिन दास महाराज, कंवर सिंह भग्जी, ताराचंद प्रधान, सरपंच अनिता मोहित यादव, अर्जुन सरपंच, पूर्व सरपंच ओमप्रकाश यादव, अजीत मास्टर, वेदप्रकाश ठेकेदार, डॉ. अजीत यादव, मंडल अध्यक्ष किरोड़ी लाल, एडवोकेट पंकज, रविंद्र ठेकेदार, प्राचार्य राजेश सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

एलडीसी परीक्षा केंद्रों पर 'श्रीराम परिवार' ने बुझाई परीक्षार्थियों की प्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित एलडीसी भर्ती परीक्षा के दौरान रविवार को भीषण गर्मी और उमस से बेहाल परीक्षार्थियों के लिए 'श्रीराम परिवार' तारणहार बना। दोपहर 12:40 बजे पहली पारी समाप्त होते ही श्रीराम परिवार के सदस्यों ने तीन प्रमुख परीक्षा केंद्रों के बाहर मोर्चा संभाल लिया। कार्यकर्ताओं ने सबसे पहले अडूकिया स्कूल, इसके बाद गिन्नी देवी सेकसरिया गर्ल्स कॉलेज और फिर चिड़ावा कॉलेज के बाहर तपती धूप में झुलस रहे परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों को रोक-रोक कर गिलास, बोतलों व मग्गों से ठंडा फिल्टर पानी पिलाया। इस निःस्वार्थ जल सेवा की अभिभावकों ने सराहना करते हुए इसे 'अतिथि देवो भवः' की सच्ची परंपरा बताया। इस पुनीत कार्य में पवन शर्मा नवहाल, मनीष जांगिड़, अमित सैनी गोलू, सुनील शर्मा, समीर सिंह शेखावत, नितेश जांगिड़, शेरा शर्मा नरहड़, अमित चोटिया, डॉ. पवन योगी, देवेन्द्र वर्मा, मनोज शर्मा, अमित शर्मा और रजनीकान्त मिश्रा सहित परिवार के कई युवाओं ने मुस्तैदी से अपनी सेवाएँ दीं।

दिव्यांग ने दिव्यांग को दी नई राह, लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट का अनुपम उदाहरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने रविवार को मानवता, सेवा और संवेदनशीलता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए गरिमामय इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर वितरण समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में एक दिव्यांग व्यक्ति की सेवा भावना से प्रेरित होकर दूसरे जरूरतमंद दिव्यांग को इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर प्रदान की गई। ट्रस्ट के दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत की प्रेरणा से दिव्यांग मोहम्मद शाहिद शेख पुत्र शरीफ शेख ने अपने उपयोग में नहीं आ रही इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट को समर्पित कर दी। ट्रस्ट ने विस्तृत जानकारी एवं आवश्यकता का आकलन करने के बाद अखबार वितरण का कार्य करने वाले जरूरतमंद दिव्यांग रवि प्रकाश उर्फ गणेश सैनी को उक्त इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर प्रदान की, जिससे उनके दैनिक जीवन एवं रोजगार को नई गति और सरलता मिल सके। उल्लेखनीय है कि लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट पिछले सात वर्षों से दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सुगम एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। ट्रस्ट की इसी निस्वार्थ सेवा भावना से प्रभावित होकर यह व्हीलचेयर ट्रस्ट को भेंट की गई, जिसका लाभ जरूरतमंद तक पहुँच सके। ट्रस्ट ने रवि प्रकाश सैनी को आश्वस्त किया कि व्हीलचेयर की नियमित देखरेख एवं आवश्यक सहयोग की जिम्मेदारी भी ट्रस्ट द्वारा ही निभाई जाएगी। आयोजित कार्यक्रम में सब इंस्पेक्टर राजकुमार पुलिस थाना लक्ष्मणगढ़, हवलदार गणेश, ट्रस्ट के संरक्षक रामनिवास शर्मा, सुभाष जोशी, गिरधारी लाल जाजोदिया, प्रकाश पासोरिया, दीनदयाल जोशी तथा ट्रस्ट अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा मंचाशीन रहे ।इस अवसर पर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, सुनील कुमार माली, पवन कस्वा, अनिल मुरारका, शशि प्रकाश कुमावत, शुभम कुमावत, गोवर्धन कुमावत, आलम तगाला, प्रेमचंद योगी, अयूब तेली, सज्जन शर्मा, बनवारी लाल थालोड़, सफी मोहम्मद सांखला सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे।

श्यामसुंदर जालान नूआंवाला अग्रवाल सम्मेलन के जिलाध्यक्ष नियुक्त

लगातार चौथी बार जिलाध्यक्ष बनने पर अग्रवाल समाज में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी श्यामसुंदर जालान नूआंवाला को लगातार चौथी बार झुंझुनूं जिलाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर जिलेभर के अग्रवाल समाज में खुशी का माहौल है। समाज के विभिन्न संगठनों, पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे उनके लंबे सामाजिक समर्पण, सक्रिय कार्यशैली और संगठन के प्रति निष्ठा का सम्मान बताया। उल्लेखनीय है कि श्यामसुंदर जालान लगातार इस महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में संगठन ने जिले में सामाजिक एकता, सेवा कार्यों एवं संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा दी है। इसी विश्वास को कायम रखते हुए संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व ने एक बार फिर उन्हें झुंझुनूं जिले की कमान सौंपी है। नियुक्ति के बाद श्यामसुंदर जालान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल, राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल, प्रदेश अध्यक्ष अशोक गर्ग, प्रदेश महामंत्री गोपाल अग्रवाल सहित अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है। उस पर वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि जल्द ही झुंझुनूं जिला कार्यकारिणी, साथ ही संगठन की युवा इकाई एवं महिला इकाई का भी पुनर्गठन कर उन्हें अधिक सक्रिय बनाया जाएगा। ताकि समाज के हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित हो सके। श्यामसुंदर जालान ने कहा कि आगामी समय में संगठन का विस्तार जिले के हर गांव और ढाणी तक किया जाएगा। समाज के अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने, युवाओं एवं महिलाओं को नेतृत्व में अवसर देने तथा सामाजिक, शैक्षणिक और सेवा गतिविधियों को गति देने पर विशेष ध्यान रहेगा। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार करना नहीं, बल्कि जिले के प्रत्येक अग्रवाल परिवार को एक मंच पर लाकर समाज को और अधिक संगठित, सशक्त एवं संस्कारित बनाना है। समाज की एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। सभी के सहयोग से हम सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता की भावना को और मजबूत करेंगे तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। जालान की पुनर्नियुक्ति पर समाज के लोगों ने इसे झुंझुनूं के लिए गौरव का विषय बताते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन जिले में नई उपलब्धियां हासिल करेगा और समाजहित के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगा। श्यामसुंदर जालान नूआंवाला महावीर इंटरनेशनल समेत अन्य कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए है।

विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक सुशील ओझा का जन्मदिन सेवा कार्यों के साथ मनाया

ओझा के जन्मदिवस पर वि. फा. झुंझुनूं इकाई ने किए सामाजिक सरोकार के कार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक एवं संस्थापक सुशील कुमार ओझा के जन्मदिवस के अवसर पर विप्र फाउंडेशन झुंझुनूं जिला इकाई द्वारा विभिन्न सेवा सरोकार के कार्यों का आयोजन कर बड़े ही उत्साह के साथ जन्मदिन मनाया गया। विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष कमल कांत शर्मा की अगुवाई में संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण, जीव-दया और नर-सेवा को समर्पित अनेक प्रकल्प पूरे किए। पर्यावरण व पक्षी संरक्षण: को अग्रणी मानते हुए बिबानी धाम बालाजी मंदिर परिसर में पदाधिकारियों द्वारा पौधारोपण किया गया। इसके साथ ही भीषण गर्मी को देखते हुए मूक पक्षियों के लिए मंदिर परिसर और आस-पास के पेड़ों पर परिंडे बांधकर जल-सेवा का संकल्प लिया गया। गोपाल गौशाला पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने निराश्रित गायों और गोवंश को हरा चारा व गुड़ खिलाकर आशीर्वाद लिया व वि फा राष्ट्री संयोजक सुशील कुमार ओझा के उत्तम स्वास्थ्य एव दीर्घायु जीवन की कामना की। समाज के अंतिम छोर पर बैठे 31 जरूरतमंद और असहाय परिवारों को विप्र फाउंडेशन की ओर से राशन सामग्री की किट वितरित की गई।इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष कमल कान्त शर्मा ने कहा कि 'ब्राह्मण समाज के मार्गदर्शक सुशील कुमार ओझा का जीवन सदैव समाज सेवा और राष्ट्र कल्याण के लिए समर्पित रहा है। उनके जन्मदिन पर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज को सकारात्मक संदेश देना ही उन्हें हमारी सच्ची शुभकामनाएं हैं। ' इस अवसर पर वि फा जिला संरक्षक एडवोकेट सुशील जोशी, जिला संगठन महामंत्री रामगोपाल महमिया, कोषाध्यक्ष राकेश सहल, जिला मंत्री रमेश चौमाल, अमृतलाल जोशी, पंडित हरिकिशन शुक्ला, नरेंद्र शर्मा, अनिल जोशी सहित विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

परम संत प्रीतानंद के कर कमलों द्वारा आंनद शब्द वाणी संहिता ग्रंथ का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

आंनद सत्संग आश्रम किठाना में परमहंस मगनानंद महाराज की 42वी पुण्यतिथि के पावन अवसर पर विशाल सत्संग और भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आंनद शब्द वाणी संहिता ग्रंथ का विमोचन परम पूज्य संत प्रीतानंद महाराज के कर कमलों द्वारा किया गया । अपने आशीर्वचन में महाराज जी कहा कि यह ग्रंथ संत परम्परा की एक अमूल्य आध्यात्मिक धरोहर है, जिसमें लगभग 100 संतो एवं महात्माओ की 1100 सौ से अधिक अमृत वाणियो का संकलन है जो मानव जीवन को सत्य, प्रेम, सेवा एवं अध्यात्मिक के मार्ग पर अग्रसर करने वाली है। इसके साथ शहंशाह सतगुरू मगनानंद जी महाराज एवं परम संत प्रीतानंद महाराज की दुर्लभ चित्रावली को भी सम्मिलित किया गया है । यह ग्रंथ एक पुस्तक भी नहीं बल्कि भारतीय संत परम्परा, अध्यात्मिक चिंतन और सांस्कृतिक विरासत का एक अनुपम संग्रह है , जो आने वाली पीढीयों के लिए अध्यात्मिक ज्ञान का भंडार सिध्द होगा । सत्संग प्रेमी जनों ने शक्ति भाव से संतवाणी का श्रवण किया यथा महापुरुषो के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

'सरस-अमूल और मदर डेयरी के दूध की जांच की जाए':हाईकोर्ट

जयपुर

हाईकोर्ट ने खाद्य पदार्थों में मिलावट को रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने कहा- सरस, अमूल, लोटस और मदर डेयरी सहित दूध व डेयरी उत्पादों का विक्रय करने वाली सभी एजेंसियों की जांच की जाए। जांच में यह देखा जाए कि ये एजेंसियां किस तकनीक या पद्धति से सिंथेटिक (मिलावटी) उत्पादों की रोकथाम कर रही हैं। कोर्ट ने इन सभी एजेंसियों के निरीक्षण के बाद तैयार रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए हैं। सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट एमएस सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि औद्योगिक उपयोग में आने वाला यूरिया बड़े पैमाने पर पशु आहार में मिलाया जा रहा है। यदि पशु यूरिया युक्त चारा खाते हैं, तो उनके शरीर में नाइट्रोजन और यूरिया का स्तर बढ़ जाता है, जिससे दूध की गुणवत्ता खराब हो सकती है। दरअसल, हाईकोर्ट खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम को लेकर स्वप्रेरणा से दर्ज जनहित याचिका सहित अन्य याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है।

समर्पण संस्था का 12वाँ शिक्षा योगदान महोत्सव सम्पन्न

109 जरूरतमंद विद्यार्थियों के खातों में फीस व शिक्षण सामग्री राशि ट्रांसफर की और 71 शैक्षिक दूतों का किया सम्मान

शिक्षा हमारे भीतर समझ पैदा करती है : टीकम बोहरा 'अनजाना'

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

'शिक्षा किताबी ज्ञान नहीं है, यह हमारे भीतर समझ पैदा करती है और अच्छी समझ से ही हम अच्छे नागरिक बनते है। शिक्षा से ही अच्छे-बुरे व सही-गलत की पहचान कर पाते है।' उक्त विचार समर्पण संस्था के 12वें शिक्षा योगदान महोत्सव में मुख्य अतिथि आईएएस टीकम बोहरा 'अनजाना' ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि 'जीवन में मंजिल का चुनाव कर उसे हासिल करने के लिए मेहनत जरूरी है और मेहनत के लिए समय व दिशा जरूरी है।वर्तमान समय में ध्यान भटकाने के लिए सोशल मीडिया एक बीमारी है।समय का ठीक प्रबंधन करें। लक्ष्य चुनें और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करें। इससे पूर्व शिक्षा योगदान महोत्सव की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके साथ समर्पण प्रार्थना का उच्चारण कोषाध्यक्ष राम अवतार नागरवाल व सुवज्ञा माल्या ने करवाया और एक डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म द्वारा संस्था गतिविधियों की जानकारी दी गई। महोत्सव में संस्था द्वारा चयनित कुल 109 जरूरतमंद निर्धन विद्यार्थियों को फ़ीस व शिक्षण सामग्री की राशि सीधे उनके खातों में ट्रांसफर की गई तथा सभी विद्यार्थियों को 'समर्पण आदर्श विद्यार्थी' का कार्ड दिया गया। इस मौके पर जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग करने वाले संस्था द्वारा नियुक्त 71 शैक्षिक दूतों को भी सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने अपने स्वागत भाषण में सभी का स्वागत अभिनंदन करते हुए संस्था गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. माल्या ने समर्पण आदर्श विद्यार्थियों को प्रेरणा देते हुए कहा कि 'जिस कार्य को करने से आपको थकान नहीं होती है समझो वही आपकी इकीगाई या लक्ष्य है। अपने लक्ष्य को पहचान कर फिर उसे बेबी स्टेपस की तरह हासिल करें। इस दौरान अतिविशिष्ट अतिथि लक्ष्मण मदनानी (पूर्व सदस्य,ज्युडिशियल रेल्वे क्लेम ट्रिब्यूनल), विशेष आमन्त्रित अतिथि अनिल कुमार जैन (पूर्व प्रधान आयकर आयुक्त), हीरेन्द्र शर्मा (निदेशक, राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर), एज्युकेशनल ब्रांड एम्बेसेडर विशिष्ट अतिथि डॉ. डी.आर. रेवाला (सेवानिवृत्त आईआरएस), नरेन्द्र सिंह रावत (निदेशक, रावत एज्युकेशनल ग्रुप) ने भी अपने विचार व्यक्त किये। महोत्सव में नागौर की नाजिया चुई ने राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किया। उत्तर प्रदेश से आई आरती वर्मा ने मिमिक्री व कविता प्रस्तुत की।गीतकार रमेश कुमार बैरवा ने शिक्षा के लिए प्रेरक गीत प्रस्तुत किया। महोत्सव में विशिष्ट अतिथि लक्ष्मण सिंह मीना (सेवानिवृत्त, आईआरएएस), डॉ. सुनिता दामिनी गुप्ता (व्यवसायी, समाज सेविका व लेखिका), श्याम सुन्दर विजय (व्यवसायी व अध्यक्ष,परमार्थ एवं आध्यात्मिक समिति) मौजूद रहे। एज्युकेशनल ब्रांड एम्बेसेडर विशिष्ट अतिथि डॉ. घनश्याम बैरवा (सीनियर प्रोफेसर, संस्कृत, एसआरपी राजकीय महाविद्यालय, बॉदीकुई) लखन लाल मीना (वरिष्ठ अनुभाग अभियंता, दूरसंचार रेलवे, एनडब्ल्यूआर मुख्यालय, जयपुर), राजेन्द्र कुमार बैरवा (सीनियर मैनेजर, बैंक आफ बड़ौदा), आर्किटेक्ट अंकित शर्मा (अंकित शर्मा एसोसिएट), मोनिका मीना (बिज़नेस डेवलपमेंट मैनेजर, सनहर्ट टाइल्स), मदन लाल वर्मा (भवन निर्माता, कृष्णा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी व विशिष्ट सलाहकार, समर्पण संस्था) उपस्थित रहे। मंच संचालन आरजे राखी शुक्ला (पॉपुलर एंकर, एक्टर, समाजसेवी, शिक्षाविद् व संस्थापक रक्षाजीवन सोसायटी) ने किया। महोत्सव में संस्था सदस्यों के अलावा अनेक गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

शहीद मुकेश बुनकर के 43वें जन्मदिवस पर श्रद्धांजलि, परिंडे वितरित कर दिया पक्षी संरक्षण का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.शाहपुरा।

शाहपुरा नगरपरिषद क्षेत्र के ग्राम रामपुरा निवासी, सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के शौर्य पदक से सम्मानित शहीद मुकेश बुनकर की 43वीं जयंती रविवार को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. पूरणमल बुनकर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने शहीद स्मारक पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा राष्ट्रसेवा के उनके अद्वितीय बलिदान को नमन किया।कार्यक्रम के दौरान एयू बैंक के सहयोग से ग्रामीणों को 21 निशुल्क परिंडे वितरित किए गए और पक्षी संरक्षण एवं सेवा का संकल्प दिलाया गया। उपस्थित लोगों ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रहित के लिए सदैव समर्पित रहने का भी संकल्प लिया। डॉ. पूरणमल बुनकर ने कहा कि शहीद कभी मरते नहीं, बल्कि उनका साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि शहीद मुकेश बुनकर का बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। समाजसेवी प्रभु अटल ने कहा कि शहीद मुकेश बुनकर अपने व्यवहार, व्यक्तित्व और राष्ट्रसेवा के जज्बे के कारण क्षेत्र के युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। आज भी अनेक युवा उनसे प्रेरणा लेकर सेना और अर्द्धसैनिक बलों में भर्ती की तैयारी कर रहे हैं।

नक्सलियों से लोहा लेते हुए दिया सर्वोच्च बलिदान

शहीद मुकेश बुनकर का चयन वर्ष 2007 में सीआरपीएफ में हुआ था। वर्ष 2009 में अरुणाचल प्रदेश में चुनाव ड्यूटी के दौरान उन्होंने नक्सलियों के हमले को विफल करते हुए अपने साथियों के साथ साहस का परिचय दिया, जिसके बाद उनका चयन कोबरा बटालियन में हुआ। वर्ष 2012 में झारखंड के रांची में नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान चार गोलियां लगने के बावजूद उन्होंने चार नक्सलियों को मार गिराया। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें दिल्ली में भर्ती कराया गया, जहां 24 सितंबर 2012 को उन्होंने वीरगति प्राप्त की। उनके अद्वितीय शौर्य के लिए उनकी वीरांगना पत्नी बीना देवी को 9 अप्रैल 2015 को राष्ट्रपति की ओर से मरणोपरांत शौर्य वीरता पदक प्रदान किया गया।कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' और 'शहीद मुकेश बुनकर अमर रहें' के नारों के साथ उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

महवा के ताराचंद गोयल को प्रदेश स्तर की बड़ी जिम्मेदारी, अग्रवाल सम्मेलन में बने प्रदेश उपाध्यक्ष

संगठन विस्तार के तहत मनोनयन, समाज सेवा और सक्रिय नेतृत्व को मिला सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (पूर्वी राजस्थान) के संगठन विस्तार के तहत महवा के वरिष्ठ समाजसेवी एवं अग्रवाल सम्मेलन संस्थान महवा के महामंत्री ताराचंद गोयल को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल, राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल, प्रदेश अध्यक्ष अशोक गर्ग तथा प्रदेश युवा अध्यक्ष रोहित गर्ग की सहमति एवं निर्देशानुसार जारी किया गया। ताराचंद गोयल लंबे समय से अग्रवाल समाज की सामाजिक, धार्मिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। संगठन क्षमता, समाज सेवा के प्रति समर्पण, सरल स्वभाव और कुशल नेतृत्व के कारण उन्होंने समाज में अपनी अलग पहचान बनाई है। इन्हीं योगदानों को देखते हुए संगठन ने उन्हें प्रदेश स्तर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

उनके मनोनयन पर अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों, समाजबंधुओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं। समाजजनों ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी तथा समाजहित के कार्यों को नई गति प्राप्त होगी। 'मेहनत कभी पहचान की मोहताज नहीं होती, समय स्वयं कर्मों का परिचय दुनिया से करवा देता है।' इसी भावना को सार्थक करते हुए ताराचंद गोयल का यह मनोनयन समाज सेवा के प्रति उनके समर्पण और वर्षों की सक्रिय भूमिका का सम्मान माना जा रहा है।

स्वर्गीय बलदेव राज सरना की पुण्यतिथि पर 72 विभाजन पीड़ित बुजुर्गों का हुआ सम्मान

वरिष्ठ भाजपा नेता राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पंजाबी पंचायती धर्मशाला (नहर किनारे), टोहाना में ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री कम्युनिटी एवं सरना परिवार के तत्वावधान में स्वर्गीय श्री बलदेव राज सरना की पुण्यतिथि श्रद्धा, सेवा और सम्मान के साथ मनाई गई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शिरकत कर स्वर्गीय बलदेव राज सरना को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सरना परिवार द्वारा 1947 के भारत विभाजन से पूर्व महापंजाब में जन्मे 72 वरिष्ठ महिला एवं पुरुषों को सम्मानित करने की अनूठी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपने इतिहास, संस्कृति और बुजुर्गों के संघर्ष से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए रक्तदान शिविर की भी प्रशंसा की तथा सभी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।ऋषिकेश से पधारे पूज्य महंत लोकेश दास जी महाराज ने अपने मुखारविंद से श्रीराम कथा एवं आध्यात्मिक प्रवचन सुनाकर श्रद्धालुओं को धर्म, सेवा और संस्कारों का संदेश दिया तथा सम्मानित बुजुर्गों को आशीर्वाद प्रदान किया।पंथकसेवा लहर के प्रमुख बाबा प्रदीप सिंह चांदपुर वाले ने गुरबाणी एवं विभिन्न धार्मिक ग्रंथों के प्रमाणों सहित संगत को प्रेरणादायी संदेश दिया तथा रक्तदाताओं को सम्मानित किया।कार्यक्रम के दौरान 1947 से पूर्व महापंजाब में जन्मे 72 वरिष्ठ नागरिकों का विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मान-चिन्ह एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। सम्मान करने वालों में महिला सेवा समिति, पंजाबी अरोड़ा खत्री टोहाना परिवार, स्वर्ग आश्रम सेवा समिति (नहर किनारे), सजग सेवा समिति, हनुमान मंदिर, श्री वैष्णो देवी मंदिर, राम मंदिर, भाटिया बिरादरी, सीनियर सिटीजन संगठन, पंजाबी वेलफेयर, डेरेवाला बिरादरी, मेहता बिरादरी, टोहाना पत्रकार संघ, टोहाना एक्टिव पत्रकार क्लब, अन्नदाता किसान यूनियन, अनाज मंडी मजदूर संगठन, मुल्तानी ठठा बिरादरी सहित अनेक धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं ने भाग लिया। मंच संचालक महेश चड्ढा ने किया।

ऑपरेशन 'समय पालन' का असर: बेवजह चेन पुलिंग पर 1188 लोगों पर कार्रवाई, रेल प्रशासन ने वसूला जुर्माना

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर-आगरा।

अप्रैल से जून तक आगरा मंडल में चला विशेष अभियान, समयपालन बिगाड़ने वालों पर कसा कानूनी शिकंजा

मनोज खंडेलवाल । ट्रेनों के समयपालन को बनाए रखने और यात्रियों को सुरक्षित व निर्बाध यात्रा उपलब्ध कराने के लिए आगरा रेल मंडल की ओर से चलाए गए ऑपरेशन 'समय पालन' के तहत अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। अप्रैल से जून 2026 तक चले विशेष अभियान में 1188 लोगों को पकड़कर उनके विरुद्ध रेलवे अधिनियम के तहत अभियोजन की कार्रवाई की गई तथा रू66,085 का जुर्माना भी वसूला गया। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल और वाणिज्य विभाग के संयुक्त अभियान के दौरान ऐसे मामलों पर लगातार निगरानी रखी गई। रेल अधिकारियों का कहना है कि बिना किसी वास्तविक आपात स्थिति के चेन पुलिंग करने से ट्रेनों का समय प्रभावित होता है, परिचालन व्यवस्था बाधित होती है और हजारों यात्रियों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ती है। जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने यात्रियों से अपील करते हुए कहा कि अलार्म चेन का उपयोग केवल वास्तविक आपात स्थिति में ही करें। बिना उचित कारण चेन पुलिंग करना रेलवे अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय अपराध है, जिसमें दोषी पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई के साथ आर्थिक दंड भी लगाया जाता है। रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेनों की समयबद्धता बनाए रखने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

थाना सदर टोहाना पुलिस ने हेरोइन तस्करी मामले के मुख्य सप्लायर को किया काबू

6.67 ग्राम हेरोइन बरामदगी प्रकरण में जांच के दौरान मिली बड़ी सफलता, एक आरोपी पहले ही हो चुका है काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । फतेहाबाद पुलिस द्वारा जिलेभर में नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर टोहाना पुलिस ने 6.67 ग्राम हेरोइन बरामदगी प्रकरण में कार्रवाई करते हुए ढाणी नूरपुर दिवाना निवासी मुकेश पुत्र कालूराम को काबू किया है। जांच में उसकी पहचान इस प्रकरण के मुख्य सप्लायर के रूप में हुई है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना सदर टोहाना प्रभारी निरीक्षक वीर सिंह ने बताया कि थाना सदर टोहाना में अभियोग संख्या 115 दिनांक 02.07.2026 के तहत धारा 21बी, 61 एवं 85 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज है। इस प्रकरण में पहले ढाणी नूरपुर दिवाना निवासी प्रिंस पुत्र मोहन सिंह को 6.67 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया जा चुका है। जांच के दौरान मुख्य सप्लायर के रूप में ढाणी नूरपुर दिवाना निवासी मुकेश पुत्र कालूराम की संलिप्तता सामने आई। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने लगातार दबिश देकर मुकेश को काबू कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में दो महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म, चार गिरफ्तार

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के करीबी रिश्तेदार मोहम्मद रजा डार ने अपने साथियों के साथ मिलकर दो विदेशी महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म किया है। लाहौर की एक अदालत ने शुक्रवार को मुख्य आरोपी रजा डार और उनके साथियों-हसन रजा, सिकंदर खान और साजिद अली को पांच दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि नीदरलैंड और वेनेजुएला की रहने वाली इन महिलाओं की मुलाकात अक्तूबर 2025 में सिंगापुर में रजा डार से हुई थी। रजा डार ने उन्हें पाकिस्तान बुलाया और 29 जून को लाहौर में अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म किया।

यूक्रेन पर हमले तेज, रूस में ईंधन का संकट नहीं : पुतिन

कीव, एजेंसी। रूसी तेल रिफाइनरियों पर यूक्रेन के लगातार हमलों से देश में ईंधन संकट गहराने के बावजूद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस में स्थिति गंभीर नहीं है। पुतिन ने युद्धविराम के प्रस्तावों को खारिज करते हुए कहा, उनके लक्ष्य पूरे होने तक युद्ध जारी रहेगा। उन्होंने रूसी ऊर्जा क्षेत्र पर हुए हमलों को यूक्रेन की ऐसी चाल बताया है जिसका मकसद जंग में हुई क्षति से ध्यान भटकाना है। रूसी सेना ने बुधवार रात से बृहस्पतिवार सुबह तक कीव पर लगातार 11 घंटे तक बड़े पैमाने पर हमले किए, जिनमें 30 लोगों की मौत हो गई। कई नागरिक घायल हो गए। ये हमले अब तक के बड़े हमलों में से एक थे।

द. कोरिया : 2035 तक खुद के उपग्रह नेटवर्क की तैयारी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने 2035 तक खुद का उपग्रह नेटवर्क बनाने का एलान किया है। देश की सरकारी अंतरिक्ष एजेंसी (कासा) ने कहा, दक्षिण कोरिया सैकड़ों उपग्रहों से लैस अपना खुद का लो-अर्थ ऑर्बिट (लियो) उपग्रह संचार नेटवर्क बनाएगा। इसके साथ ही देश के पहले चंद्र मिशन के लक्ष्य को दो साल पहले यानी 2030 तक पूरा करने का फैसला किया गया है। जिंजू शहर में आयोजित एक सार्वजनिक ब्रीफिंग के दौरान कासा ने इस रणनीतिक योजना का अनावरण किया। योजना को मंजूरी मिल चुकी है।

सोशल मीडिया पाबंदी... बदलावों में देरी पर निंदा

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर दुनिया में अपनी तरह के पहले प्रतिबंध में प्रस्तावित बदलावों को बाधित करने वाले सांसदों की निंदा की है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी कंपनियां देरी का लाभ उठाकर ऐसे दस्तावेज नष्ट कर सकती हैं जिनका उनके खिलाफ सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। सरकार ने इस सप्ताह संसद में संशोधन पेश किए थे, जिनका उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया की ऑनलाइन सुरक्षा निगरानी संस्था 'ई-सेफ्टी' की आयुक्त जूली इनमैन ग्रांट की शक्तियां बढ़ाना था। ये संशोधन फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब समेत विभिन्न मंचों पर 16 वर्ष से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई बच्चों के खाते रखने पर दिसंबर से लागू प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू करने से संबंधित हैं। रूढ़िवादी विपक्षी लिबरल पार्टी और 'ऑस्ट्रेलियन ग्रीन्स पार्टी' ने इससे संबंधित विधेयक के मसौदे को आठ सप्ताह की सीनेट समीक्षा के लिए भेज दिया है।

लंदन में ईरानी पत्रकार पर हमले के दोषियों को जेल

लंदन, एजेंसी। लंदन की एक अदालत ने ईरानी पत्रकार पूरिया जेराती पर चाकू से हमला करने के मामले में शुक्रवार को दो रोमानियाई पुरुषों को सजा सुनाई। कोर्ट ने जॉर्ज स्टाना को 12 साल और नंदितो बादिया को 8 साल की जेल दी है। जज बॉबी चीमा-ग्रब ने कहा कि सबूतों से साफ पता चलता है कि यह हमला ईरान सरकार के इशारे पर किया गया था। मार्च 2024 में लंदन के विंबलडन इलाके में 'ईरान इंटरनेशनल' के एंकर पूरिया जेराती के पैर में चाकू मारा गया था। हमलावर वारदात के बाद हीथ्रो एयरपोर्ट से फरार हो गए थे। बाद में उन्हें रोमानिया से गिरफ्तार कर ब्रिटेन लाया गया। तीसरा संदिग्ध डेविड आंद्रेई फिलहाल रोमानिया में कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहा है।

पेरू में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों की घोषणा, केइको फुजीमोरी ने दर्ज की जीत

लीमा, एजेंसी। पेरू में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों की घोषणा हो गई है। रूढ़िवादी नेता केइको फुजीमोरी ने इस कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की है। देश की शीर्ष चुनाव संस्था ने शुक्रवार को उनकी जीत पर मुहर लगा दी। 51 साल की केइको पूर्व राष्ट्रपति अल्बर्टो फुजीमोरी की बेटी हैं। वह चौथी बार राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हुई थीं। चुनाव अधिकारियों के आंकड़ों के अनुसार, केइको को कुल 50.135 प्रतिशत (9,223,000) वोट मिले।

फतेहाबाद जिला में एचटेट की परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

डीसी डॉ. विवेक भारती व एसपी निकिता खट्टर ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

एचटेट लेवल-2 में 4001 तथा लेवल-1 में 1120 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

लेवल-2 में 534 और लेवल-1 में 271 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा आयोजित हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट)-2026 के तहत रविवार को जिला में लेवल-2 एवं लेवल-1 की परीक्षाएं शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं नकल रहित वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए व्यापक सुरक्षा एवं प्रशासनिक प्रबंध किए गए थे, जिनकी लगातार निगरानी के लिए जिला प्रशासन ने अधिकारियों की ड्यूटी लगाई थी। डीसी डॉ. विवेक भारती और एसपी निकिता खट्टर ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि जिला में दो दिनों तक तीन शिफ्टों में आयोजित एचटेट परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई है।परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए थे, जिन्होंने परीक्षा प्रक्रिया पर लगातार निगरानी रखी। इसके अलावा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया था। प्रशासन ने प्रत्येक परीक्षार्थी को सुरक्षित, निष्पक्ष एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध करवाया। उन्होंने बताया कि रविवार को जिला के 15 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित लेवल-2 परीक्षा में 4535 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 4001 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 534 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार 5 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित लेवल-1 परीक्षा में 1391 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1120 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 271 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

रविवार को डीसी डॉ. विवेक भारती और एसपी निकिता खट्टर ने डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय भोडिया खेड़ा, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मनोहर मेमोरियल (एमएम) पीजी कॉलेज, पीएमश्री संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा क्रिसेंट पब्लिक स्कूल सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने परीक्षा केंद्रों पर जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी कैमरों एवं वीडियोग्राफी की व्यवस्था का निरीक्षण किया। इसके साथ ही बिजली, पेयजल, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की भी जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा अवधि के दौरान सभी व्यवस्थाएं निर्बाध रूप से संचालित रहें तथा किसी भी परीक्षार्थी को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। डीसी डा. विवेक भारती ने कहा कि परीक्षा आयोजित कराने में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया गया है।परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकलमुक्त बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए, जिसके परिणामस्वरूप जिले में एचटेट-2026 की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

क्या पुतिन की कुर्सी जाने वाली है ! 2026 तक क्या बदल जाएगा रूस का बॉस इस बड़े दांव से मचा हड़कंप

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे भीषण युद्ध के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने अंतरराष्ट्रीय गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। दरअसल, एक ऑनलाइन ट्रेडर ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भविष्य को लेकर करोड़ों रुपये की बाजी लगा दी है। यह दांव ऐसे समय में लगाया गया है जब युद्ध के लंबा खिंचने के कारण रूस के भीतर पुतिन की लोकप्रियता और उनकी पकड़ को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

क्या सच में जा रही है पुतिन की कुर्सी : रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रेडिक्शन मार्केट प्लेटफॉर्म 'पोलीमार्केट' पर एक यूजर ने भारी-भरकम रकम दांव पर लगाई है। 'जेडनोटलुवुईसेमेज' नाम से मौजूद इस ट्रेडर ने करीब 4.09 लाख डॉलर, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 3.89 करोड़ रुपये होते हैं। उसने इस बात का दावा किया है कि व्लादिमीर पुतिन दिसंबर 2026 के अंत तक रूस के राष्ट्रपति पद पर नहीं रहेंगे। यदि यह अनुमान सही साबित होता है, तो इस शख्स को करीब 25 लाख डॉलर यानी 23,80,00,000 रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया जाएगा। हैरान करने वाली बात यह है कि इस ट्रेडर की प्रोफाइल फोटो में यूक्रेन का झंडा लगा हुआ है, जो इसके राजनीतिक झुकाव की ओर इशारा करता है। प्लेटफॉर्म पर फिलहाल इस घटना के सच होने की संभावना

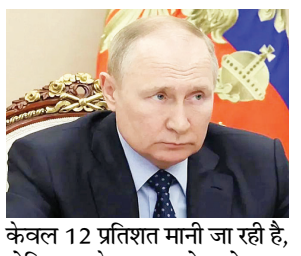

केवल 12 प्रतिशत मानी जा रही है, लेकिन इसके बावजूद ट्रेडर ने इतना बड़ा जोखिम उठाया है। इतना ही नहीं, इसी ट्रेडर ने यूक्रेन द्वारा क्रीमिया पर दोबारा कब्जा करने और अगस्त के अंत तक संभावित शांति समझौते पर भी अलग-अलग रकम की बाजी लगा रखी है।

पुतिन की लोकप्रियता में गिरावट : इस दांव के पीछे की वजह रूस के भीतर बदलते समीकरण भी हो सकते हैं। हाल ही में रूस की सरकारी पोल एजेंसी ने एक सर्वे जारी किया है, जिसमें पाया गया कि 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद पहली बार पुतिन की लोकप्रियता में इतनी तेज गिरावट आई है। केवल एक सप्ताह के भीतर उन पर जनता का भरोसा 3.4 प्रतिशत अंक कम हो गया है। महंगाई की बढ़ती मार, यूक्रेन के लंबी दूरी के मिसाइल हमले, ईंधन संकट और कई क्षेत्रों में इंटरनेट की पाबंदी ने आम रूसी नागरिकों के भीतर नाराजगी पैदा कर दी है। 'इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट स्टडीज एंड एनालिसिस ऑफ रशिया' की एक स्टडी के अनुसार, रूस में 10 में से 8 लोग चाहते हैं।

नेपाल में राष्ट्र सेवा प्रशिक्षण के लिए नए कानून की तैयारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार राष्ट्रीय सेवा दल से जुड़ा नया कानून लाने की तैयारी में है। इसके तहत किसी भी नेपाली नागरिक को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। जरूरत पड़ने पर प्रशिक्षित लोगों को राष्ट्र सेवा के लिए स्वयंसेवक के रूप में तैनात किया जा सकेगा। रक्षा मंत्री का कार्यभार भी संभाल रहे प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह (बालेन) ने यह विधेयक संघीय संसद सचिवालय में पंजीकृत कराया है।

इस विधेयक के उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि विद्यार्थियों में देशभक्ति, जनसेवा और राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित की जाएगी। उन्हें नैतिक, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाने पर भी जोर दिया जाएगा। विधेयक में कहा गया है कि राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार किसी भी नेपाली नागरिक को प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए तैयार किया जा सकेगा। इसमें नेतृत्व क्षमता बढ़ाने और विकास व निर्माण कार्यों के लिए स्वयंसेवकों का समूह तैयार करने का भी प्रावधान है।

सेवा दल के प्रमुख संरक्षक होंगे प्रधानमंत्री : प्रस्ताव के अनुसार प्रधानमंत्री सेवा दल के प्रमुख संरक्षक और रक्षा मंत्री संरक्षक होंगे। नेपाल सरकार,

प्रधान सेनापति की सिफारिश पर अवकाश प्राप्त उपरथियों में से एक को दो वर्ष के लिए कार्यकारी महानिदेशक नियुक्त करेगी। विधेयक में कहा गया है कि विशेष परिस्थितियों, युद्ध या आंतरिक संघर्ष के समय किसी भी नेपाली नागरिक को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा।

प्रशिक्षण पूरा करने वाले विद्यार्थियों और अन्य नागरिकों को मंत्रिपरिषद के तय नियमों के अनुसार राष्ट्र सेवा में लगाया जा सकेगा। कक्षा 8 से 10 तक के विद्यार्थियों को जूनियर और कक्षा 11-12 के विद्यार्थियों को सीनियर डिवीजन में प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए आवश्यक प्रशिक्षक नेपाली सेना उपलब्ध कराएगी।

सिम क्लोनिंग से रहें सावधान, कुछ ही मिनटों में खाली हो सकता है बैंक खाता: एसपी निकिता खट्टर

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर (आईपीएस) ने आमजन को साइबर अपराधों के प्रति सतर्क करते हुए सिम क्लोनिंग से बचाव के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी लगातार नई तकनीकों का इस्तेमाल कर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। इनमें सिम क्लोनिंग एक बेहद खतरनाक तरीका बनकर सामने आया है, जिसके जरिए अपराधी मोबाइल नंबर का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर बैंक खातों तक पहुंच बना लेते हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सिम क्लोनिंग के दौरान साइबर ठग विशेष सॉफ्टवेयर या तकनीकी उपकरणों की मदद से मोबाइल सिम का आईएमएसआई और केआई नंबर कॉपी कर लेते हैं। इसके बाद उसी नंबर की एक नकली सिम तैयार कर सक्रिय कर दी जाती है। जैसे ही फर्जी सिम चालू होती है, असली सिम का नेटवर्क बंद हो जाता है और कई बार पीड़ित को इसका पता भी नहीं चल पाता।

उन्होंने बताया कि इसके बाद अपराधी पीड़ित के मोबाइल नंबर पर आने वाले ओटीपी, बैंक अलर्ट, मैसेज और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों तक पहुंच बना लेते हैं। बैंक खाते में लॉग-इन कर ओटीपी का इस्तेमाल करते हुए खाते से रकम अपने खातों में ट्रांसफर कर देते हैं, जिससे पीड़ित को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।एसपी निकिता खट्टर ने कहा कि यदि अचानक मोबाइल का नेटवर्क बंद हो जाए और आसपास अन्य लोगों के मोबाइल सामान्य रूप से काम कर रहे हों तो इसे नजरअंदाज न करें। यह सिम क्लोनिंग का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत अपनी टेलीकॉम कंपनी से संपर्क कर सिम ब्लॉक कराएं और बैंक को भी तुरंत सूचना दें, ताकि खाते को सुरक्षित किया जा सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी या सिम से जुड़ी जानकारी साझा न करें। किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी अनजान ऐप को डाउनलोड करें। मोबाइल नंबर पर आने वाले बैंक अलर्ट पर लगातार नजर रखें और किसी भी संदिग्ध लेनदेन की जानकारी मिलते ही तुरंत बैंक को सूचित करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि साइबर अपराधों से बचने का सबसे प्रभावी उपाय जागरूकता और सतर्कता है। यदि कोई व्यक्ति सिम क्लोनिंग या किसी अन्य प्रकार की साइबर ठगी का शिकार होता है तो वह तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराए या साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत करे, ताकि समय रहते कार्रवाई कर आर्थिक नुकसान से बचा जा सके।

इराक में भ्रष्टाचार पर 'सर्जिकल स्ट्राइक'! आधी रात 'ग्रीन जोन' में घुसी फोर्स, सांसद-मंत्री समेत 47 गिरफ्तार

बगदाद , एजेंसी। इराक की राजनीति में उस वक्त हड़कंप मच गया जब राजधानी बगदाद के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले 'ग्रीन जोन' में रविवार तड़के भारी सुरक्षा बलों ने छापेमारी शुरू की। प्रधानमंत्री अली अल जैदी के सीधे आदेश पर शुरू किए गए इस महाभियान के तहत अब तक 47 प्रभावशाली नेताओं और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस कार्रवाई को इराक के इतिहास में भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा प्रहार माना जा रहा है। एलीट काउंटर टेररिज्म सर्विस ने संभाली कमान न्यूज एजेंसी रॉयटर्स और स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस ऑपरेशन को इराक की एलीट काउंटर टेररिज्म सर्विस ने अंजाम दिया। सुरक्षा बलों ने रविवार तड़के उन ठिकानों पर दबिश दी, जिन्हें सत्ता का केंद्र माना जाता है।

सरकारी समाचार एजेंसी आईएनए ने बताया कि पकड़े गए लोगों में कई वर्तमान सांसद और हाई-प्रोफाइल नौकरशाह शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह पूरी कार्रवाई अदालत द्वारा जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट के आधार पर की गई है, जिससे यह स्पष्ट है कि सरकार ने इसके लिए पुख्ता कानूनी तैयारी की थी।

प्रधानमंत्री का 'भ्रष्टाचार मुक्त इराक' मिशन : इसी साल मई में सत्ता संभालने वाले प्रधानमंत्री अली अल जैदी ने पद की शपथ लेते ही जनता से वादा किया था कि वे सरकारी खजाने को लूटने वालों को नहीं छोड़ेंगे। सरकार के प्रवक्ता हैदर अल अबूदी ने मीडिया को बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकारी संस्थानों को मजबूत करना और सार्वजनिक धन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री जैदी खुद इस पूरे ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं, ताकि किसी भी तरह के राजनीतिक दबाव को टाला जा सके। इस भ्रष्टाचार नेटवर्क का खुलासा तब हुआ जब रिफाइनिंग मामलों के उप तेल मंत्री अदनान अल जुमैली को हिरासत में लिया गया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, अल जुमैली की गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में कई चौंकाने वाले नाम सामने आए। उन्हीं के बयानों और मिले दस्तावेजों के आधार पर सुरक्षा बलों ने अन्य 46 अधिकारियों पर शिकंजा कसा है। हालांकि, रिपोर्टों में यह भी संकेत दिया गया है कि कुछ संदिग्ध अधिकारी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश में छापेमारी जारी है। इराक सरकार का कहना है कि यह केवल शुरुआत है और भ्रष्टाचार के इस विशाल नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त किया जाएगा। इस कार्रवाई ने न केवल इराक, बल्कि पूरे खाड़ी देशों में चर्चा छेड़ दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रधानमंत्री अली अल जैदी अपने इस अभियान में सफल रहते हैं, तो इससे इराक की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा सुधार देखने को मिल सकता है और विदेशी निवेशकों का भरोसा भी बहाल होगा।

ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर में मंदिर के लिए नहीं दी जमीन, चर्च और मुस्लिम ग्रुप को सौंप दी; त्योहार नहीं मना पाते हिंदू

नॉर्थस्टोव, एजेंसी। ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर स्थित नए शहर नॉर्थस्टोव में अपना पहला पूजा स्थल बनाने की कोशिश कर रहे ब्रिटिश हिंदुओं को तगड़ा झटका लगा है। स्थानीय काउंसिल ने एक जमीन के टुकड़े को हिंदू चैरिटी को देने के बजाय एक चर्च और मुस्लिम ग्रुप को आवंटित कर दिया है। यह फैसला सामने आने के बाद इलाके में रहने वाले करीब 150 हिंदू परिवारों में काफी निराशा है।

क्या है पूरा मामला : साउथ कैम्ब्रिजशायर डिस्ट्रिक्ट काउंसिल ने 0.25 हेक्टेयर जमीन को 999 साल के लिए 'नॉर्थस्टोव चर्च नेटवर्क' को लीज पर दे दिया है। इसके लिए उन्हें सिर्फ नाममात्र का किराया चुकाना होगा। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय निवासियों द्वारा बनाए गए 'हिंदू समाज नॉर्थस्टोव' ने भी इस जमीन के लिए बोली लगाई थी। उन्होंने यहां एक मंदिर के साथ-साथ 'सर्वधर्म' और वेलबीइंग सेंटर बनाने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, बोलियों का आकलन करने वाले काउंसिल के अधिकारियों ने एचएसएन के प्रस्ताव को 65% और एनसीएन के प्रस्ताव को 81% अंक दिए, जिसके कारण जमीन चर्च नेटवर्क को मिल गई।

मुस्लिम ग्रुप कैसे बना हिस्सेदार : नॉर्थस्टोव चर्च नेटवर्क के प्रस्ताव में नॉर्थस्टोव के मुसलमानों को मुख्य किरायेदार (एंकर टेनेंट) के रूप में शामिल किया गया था। इस प्रस्ताव में उनके लिए एक अलग इस्लामिक प्रार्थना कक्ष और शिक्षा केंद्र बनाने की बात शामिल है। नॉर्थस्टोव मुस्लिम ग्रुप के अध्यक्ष नवाश ने बताया कि शहर में लगभग 200 मुस्लिम हैं, जिन्हें दिन में पांच बार नमाज पढ़ने के लिए एक स्थायी जगह की जरूरत थी, क्योंकि कम्युनिटी स्पेस इतने लंबे समय तक खुले नहीं रहते। यही वजह है कि उन्होंने एंकर टेनेंट के तौर पर आवेदन किया था। वहीं, एनसीएन के प्रवक्ता का कहना है कि स्थानीय समुदायों और आस्था समूहों को भी जगह किराए पर लेने की अनुमति दी जाएगी। कैम्ब्रिजशायर में कई चर्च और मस्जिदें हैं, लेकिन एक भी हिंदू मंदिर नहीं है। हिंदुओं को पूजा करने के लिए दो घंटे का सफर तय करके बर्मिंघम या वेम्बली जाना पड़ता है। वे रात भर के लिए कम्युनिटी स्पेस किराए पर नहीं ले सकते, जिससे गणपति जैसे त्योहार मनाना मुश्किल हो जाता है। हालात ये हैं कि भगवान की मूर्तियों को कैरी बैग में रखकर गैराज में रखना पड़ता है। जगह-जगह ले जाने के कारण कई मूर्तियां खंडित भी हो गई हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर से यूके गए अभिषेक श्रीवास्तव कहते हैं कि उन्हें कभी-कभी लगता है कि यूके आकर उन्होंने गलती कर दी, क्योंकि उनके 9 और 12 साल के बच्चे हिंदू त्योहारों में हिस्सा नहीं ले पाते। वहीं, 16 साल की इवा का कहना है कि उसने कभी रात भर शिवरात्रि नहीं मनाई और न ही कभी 'हवन' देखा है।

बलूच लिबरेशन आर्मी ने कहा, 'एक ही मकसद...बलूचिस्तान की आजादी'

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूच लिबरेशन आर्मी ने ग्वादर में जिवानी के पनवान इलाके में पाकिस्तान कोस्ट गार्ड कैंप पर हुए जानलेवा फिदायीन हमले (सुसाइड कमांडो) की जिम्मेदारी ली है. द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अलगाववादी समूह ने दावा किया है कि हमले में 30 से ज्यादा पाकिस्तानी कोस्ट गार्ड के जवान और दर्जनों घायल हो गए. रिपोर्ट के मुताबिक, यह खतरनाक ऑपरेशन शुक्रवार शाम को बीएलए की एलीट मजीद ब्रिगेड ने किया था. समूह ने बताया कि एक सुसाइड बॉम्बर, जिसकी पहचान अताउल्लाह बलूच उर्फ अजमल के तौर पर हुई है, ने स्थानीय समय के मुताबिक शाम करीब 6:32 बजे विस्फोटकों से लदे माजदा ट्रक को मजबूत कोस्ट गार्ड कैंप में घुसा दिया. इस दौरान एक बड़ा धमाका हुआ. एक आधिकारिक बयान में, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि, इस जबरदस्त धमाके की वजह से, कोस्ट गार्ड्स का मजबूत कॉलोनियल कैंप पूरी तरह से मलबे के ढेर में बदल गया. बीएलए की मीडिया विंग, हक्कल ने 43 सेकंड का एक वीडियो क्लिप जारी किया, जिसमें कथित तौर पर एक खतरनाक धमाके से कुछ देर पहले विस्फोटकों से भरा ट्रक कैंप कंपाउंड में घुसता हुआ दिखाया गया है. चैनल द्वारा शेयर किए गए बाद के फुटेज से पता चला कि मिलिट्री कैंप का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से जमींदोज (तबाह) हो गया था. ग्रुप ने कहा कि शुरुआती गाड़ी पर बमबारी के तुरंत बाद उसके टैक्टिकल विंग, फतेह स्क्वाड ने मिलकर जमीन पर हमला किया. बीएलए के बयान में कहा गया कि, हमले के तुरंत बाद, उनके संगठन की आगे की यूनिट, फतेह स्क्वाड, तेजी से और संगठित तरीके से आगे बढ़ी, और तबाह हुए कैंप पर चारों तरफ से हमला किया. बागियों ने दावा किया कि फतेह स्क्वाड के लड़ाकों ने बचे हुए कोस्ट गार्ड के लोगों से बहुत करीब से मुकाबला किया. उन्होंने कहा कि संयुक्त ऑपरेशन के दौरान 30 से ज्यादा लोग मारे गए. बीएलए प्रवक्ता

ने कहा कि, घायलों और मलबे में फंसे लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए, दुश्मन के मारे जाने की संख्या में और बढ़ोतरी होने की बहुत ज्यादा संभावना है. बीएलए ने कहा कि वह जल्द ही अपने आधिकारिक चैनलों के जरिए ऑपरेशन की पूरी जानकारी जारी करेगा. बैन किए गए संगठन ने आगे कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को टारगेट करने वाला उसका हथियारबंद कैंपेन तब तक उसी तेजी से जारी रहेगा जब तक कि बलूचिस्तान की पूरी आजादी का उसका आखिरी मकसद हासिल नहीं हो जाता. पाकिस्तानी मिलिट्री और सरकारी अधिकारियों ने अभी तक जिवानी हमले में मृतकों और घायलों की सही संख्या या हुए नुकसान की हद को पुष्टि करने वाला कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

मजीद ब्रिगेड का आत्मघाती धमाका : जानकारी के मुताबिक, यह हमला ग्वादर के जिवानी इलाके के पनवान में स्थित पाकिस्तान कोस्ट गार्ड के कैंप पर हुआ। हमले की जिम्मेदारी बीएलए की सबसे खतरनाक विंग 'मजीद ब्रिगेड' ने ली है। रिपोर्ट के अनुसार, अताउल्लाह बलूच उर्फ अजमल नाम के एक आत्मघाती हमलावर ने शुक्रवार की शाम करीब 6:32 बजे विस्फोटकों से लदे एक भारी ट्रक को सीधे कोस्ट गार्ड के कैंप के भीतर घुसा दिया। धमाका इतना जबरदस्त था कि कैंप की मजबूत इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं और पूरा इलाका मलबे के ढेर में बदल गया। हैरानी की बात यह है कि बीएलए यहीं नहीं रुकी। आत्मघाती ट्रक बम धमाके के तुरंत बाद संगठन के 'फतेह स्क्वाड' ने जमीनी स्तर पर मोर्चा संभाल लिया।

विंबलडन में बदल रही है चैंपियनों की किस्मत! स्वियातेक बाहर, दिमित्रोव-कीज ने बचाई उम्मीदें

लंदन, एजेंसी। विंबलडन 2026 में लगातार ऐसे नतीजे सामने आ रहे हैं, जिन्होंने टेनिस प्रशंसकों को चौंका दिया है। महिला एकल में जहां मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक का सफर तीसरे दौर में ही खत्म हो गया, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों ग्रिगोर दिमित्रोव और मैडिसन कीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे दौर में जगह बना ली। बड़े उलटफेर और रोमांचक मुकाबलों ने इस बार के विंबलडन को और दिलचस्प बना दिया है।

एलेक्जेंड्रा एला ने रचा इतिहास, स्वियातेक को किया बाहर

21 वर्षीय फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 7-6(9), 6-2 से हराया।

पहले सेट के टाईब्रेक में दो सेट प्वाइंट बचाने के बाद एला ने पूरे मैच पर अपना नियंत्रण बना लिया। इस जीत के साथ वह ग्रैंड स्लैम के दूसरे सप्ताह में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गईं। पिछले कुछ महीनों से शानदार फॉर्म में चल रही एला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े खिलाड़ियों को चुनौती देने का दम रखती हैं। अब उनका सामना 13वीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी से होगा।

दिमित्रोव की दमदार वापसी, पांच सेट तक चला रोमांच

पुरुष एकल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने इटली के माटेओ बेरेटिनी को 6-3, 6-4, 3-6, 5-7, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। तीन घंटे 32 मिनट तक चले मुकाबले में दिमित्रोव ने शुरुआती दो सेट आसानी से जीत लिए थे, लेकिन बेरेटिनी ने शानदार वापसी कर मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।निर्णायक सेट में दिमित्रोव ने अनुभव का शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण समय पर सर्विस ब्रेक हासिल कर जीत दर्ज की। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पिछले साल की निराशा के बाद इस कोर्ट पर जीत हासिल करना मेरे लिए बेहद खास है। यह सिर्फ जीत या हार की बात नहीं है, बल्कि हर चुनौती को पार करने के बारे में है।' अब चौथे दौर में उनका सामना ब्रिटेन के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी से होगा।

कीज ने दिखाई चैंपियन जैसी वापसी

महिला एकल में अमेरिका की 26वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने पहला सेट गंवाने के बावजूद अमांडा अनिसिमोवा को 3-6, 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। कीज की यह लगातार 10वीं ग्रास कोर्ट जीत रही और वह करियर में छठी बार विंबलडन के चौथे दौर में पहुंची हैं।अनिसिमोवा ने पहले सेट में शानदार शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे और तीसरे सेट में सात डबल फॉल्ट उनकी हार की बड़ी वजह बने। दूसरी ओर कीज ने अपने दमदार बेसलाइन शॉट्स और सटीक सर्विस के दम पर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा।

खिताब की दौड़ हुई और रोमांचक

स्वियातेक और दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना के बाहर होने से महिला वर्ग पूरी तरह खुल गया है। वहीं दिमित्रोव और कीज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने यह संकेत दे दिया है कि इस बार विंबलडन में अनुभव और धैर्य भी खिताब की दौड़ में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। चौथे दौर के मुकाबलों के साथ टूर्नामेंट अब और रोमांचक होने की उम्मीद है।

ईशान बोले-हमने परफेक्ट टीम चुनी थी

दूसरे टी-20 मुकाबले में हार के बाद ईशान किशन ने टीम चयन पर उठ रहे सवालों का दिया जवाब

लंदन(एजेंसी)। मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में हार के बाद ईशान किशन ने टीम चयन पर उठ रहे सवालों का जवाब दिया। ऑफ स्पिनर की कमी को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने साफ कहा कि टीम प्रबंधन ने सर्वश्रेष्ठ संयोजन के साथ मैदान में उतरने का फैसला किया था।ईशान ने कहा, 'नहीं, मेरा मानना है कि हमने परफेक्ट टीम चुनी थी। जब आप मैच नहीं जीतते हैं तो बहुत सारे सवाल और अगर-मगर सामने आने लगते हैं। लेकिन हमारे सभी गेंदबाज बेहतरीन हैं। उन्होंने पहले भी अलग-अलग परिस्थितियों में टीम को जीत दिलाई है। सपाट विकेटों पर भी विकेट निकाले हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि टीम चयन के लिहाज से हम कुछ अलग कर सकते थे।'

विदेशी परिस्थितियों को बेहतर समझना होगा

हालांकि ईशान ने माना कि भारतीय टीम को इंग्लैंड की परिस्थितियों के अनुसार खुद को बेहतर ढंग से ढालने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमें यह समझना होगा कि परिस्थितियां कैसी हैं और हम उनमें कैसे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हम भारत के बाहर खेल रहे हैं, इसलिए बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को यह समझना होगा कि यहां की पिच हमसे क्या मांगती है। सिर्फ एक बल्लेबाज या एक गेंदबाज अंतर नहीं ला सकता। पूरी टीम को मिलकर यह समझना होगा कि हम कहां सुधार कर सकते हैं।'

हमें 20 रन और जोड़ने होंगे

ईशान किशन का मानना है कि भारत लगातार अपनी पारियों के आखिरी ओवरों में गति खो रहा है, जिससे टीम 15-20 रन पीछे रह जा रही है।उन्होंने कहा, 'हमें यह देखना होगा कि हम अतिरिक्त 20 रन कहां से बना सकते हैं। चाहे चौके-छक्कों से या बड़े मैदानों में गैप्स का बेहतर इस्तेमाल करके। इंग्लैंड के बल्लेबाज यहां की परिस्थितियों को हमसे बेहतर समझते हैं।

इंग्लैंड ने बनाई सीरीज में बढ़त

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन (49), अभिषेक शर्मा (43) और कप्तान श्रेयस अय्यर (37) की पारियों की मदद से 190/7 का स्कोर बनाया। जवाब में इंग्लैंड ने जैकब बेथेल की नाबाद 76 रन की शानदार पारी के दम पर 19 ओवर में 191/6 बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। भारत की हार में 17वां ओवर निर्णायक साबित हुआ, जिसमें रवि बिश्नोई ने 29 रन खर्च किए।

सह-मेजबान कनाडा का सफर समाप्त

- लगातार दूसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मोरक्को

ह्यूस्टन। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में मोरक्को ने सह-मेजबान कनाडा को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्टार मिडफील्डर अज़्ज़ेदीन औनाही ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जबकि इंजरी टाइम में सुफियान रहीमी ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। अब मोरक्को का सामना 9 जुलाई को बोस्टन में होने वाले क्वार्टर फाइनल में फ्रांस और पराग्वे के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

पहले हाफ में कनाडा का दबदबा, लेकिन गोल नहीं

मुकाबले की शुरुआत में कनाडा ने शानदार खेल दिखाया और लगातार आक्रमण करते हुए मोरक्को की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। मैच का पहला बड़ा मौका कनाडा को मिला, जब अली अहमद के पास पर तानी ओलुवासेयी गोलकीपर के सामने पहुंच गए। हालांकि, मोरक्को के कनाडा में जन्मे गोलकीपर यासीन बूनू ने शानदार बचाव कर अपनी टीम को शुरुआती झटका लगने से बचा लिया। पहले हाफ में मोरक्को को उस समय बड़ा झटका लगा, जब टूर्नामेंट के उनके शीर्ष स्कोरर इस्माइल साइबारी मांसपेशियों में चोट के कारण 22वें मिनट में मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। उनकी जगह सुफियान रहीमी को उतारा गया।

दूसरे हाफ में औनाही का जलवा

ब्रेक के बाद मोरक्को ने पूरी तरह मैच का रुख बदल दिया। 50वें मिनट में अशरफ हाकिमी के शानदार सेट-पीस पास पर अज़्ज़ेदीन औनाही ने बॉक्स के बाहर से बेहतरीन पहली टाइमिंग वाला शॉट लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया और मोरक्को को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस गोल के बाद मोरक्को का आत्मविश्वास बढ़ गया, जबकि कनाडा की टीम दबाव में आ गई। 82वें मिनट में तेज जवाबी हमले के दौरान ब्राहिम डियाज के पास पर औनाही ने अपना दूसरा गोल दागते हुए स्कोर 2-0 कर दिया।

रहीमी ने जीत पर लगाई मुहर

इंजरी टाइम (90+8वें मिनट) में ब्राहिम डियाज के शानदार थ्रू पास पर सुफियान रहीमी ने गोल दागकर मोरक्को की 3-0 की शानदार जीत सुनिश्चित कर दी। रहीमी इससे पहले एक हेडर में क्रॉसबार से भी टकराए थे, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपना नाम स्कोरशीट में दर्ज करा ही लिया।

मोरक्को ने रचा इतिहास

इस जीत के साथ मोरक्को लगातार दूसरी बार फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। इसके साथ ही वह विश्व कप इतिहास में एक से अधिक बार अंतिम-8 में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। कतर 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचने वाली एटलस लायंस की टीम ने एक बार फिर खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। वहीं, कनाडा का शानदार विश्व कप अभियान राउंड ऑफ-16 में समाप्त हो गया। हालांकि, इस टूर्नामेंट में टीम ने पहली बार विश्व कप में मैच जीतने के साथ नॉकआउट चरण तक पहुंचकर अपने देश के फुटबॉल इतिहास में नया अध्याय जरूर जोड़ा।

खत्म हो गई मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच दुश्मनी

चेन्नई, एजेंसी। एक समय भारतीय क्रिकेट के सबसे चर्चित विवाद का हिस्सा रहे मुरली विजय और दिनेश कार्तिक अब शायद पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ चुके हैं। तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे मुरली विजय ने अपने संबोधन के दौरान दिनेश कार्तिक को लेकर ऐसी बातें कहीं, जिसने क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वर्षों तक एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने वाले विजय ने सार्वजनिक मंच से कार्तिक की तारीफ करते हुए उन्हें अपना बेहद अजीज दोस्त बताया।

मंच से दिनेश कार्तिक की जमकर तारीफ

अपने भाषण में मुरली विजय ने कहा कि वह बचपन से दिनेश कार्तिक को खेलते हुए देख रहे हैं और उनके खेल के हमेशा प्रशंसक रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अब मुझे दिनेश कार्तिक के बारे में बात करनी है। यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन मैं उन्हें बचपन से देखता आया हूं। वह तमिलनाडु के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। वह एक बेहद गतिशील व्यक्तित्व के मालिक और मेरे बेहद अजीज दोस्त हैं।'

विजय ने आगे कहा, 'मैंने नॉन-स्ट्राइकर एंड से कई बार उनकी बल्लेबाजी को करीब से देखा है। उनके जैसा खेलते हुए मैंने किसी और को नहीं देखा। वह शानदार क्रिकेटर हैं। उनके अनुभव और क्रिकेट की समझ ने मेरे करियर में काफी मदद की है और इसके लिए मैं मंच से उनका दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं।'

क्या था दोनों के बीच विवाद?

मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच का विवाद 2010 के शुरुआती वर्षों में सामने आया था। उस समय दोनों तमिलनाडु और भारतीय टीम के लिए साथ खेलते थे और बेहद करीबी दोस्त माने जाते थे। बाद में दिनेश कार्तिक और उनकी तत्कालीन पत्नी निकिता वंजारा का रिश्ता टूट गया। इसके बाद निकिता ने मुरली विजय से शादी कर ली। इस घटना के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच दूरियां बढ़ गईं। हालांकि, दोनों ने कभी भी सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी नहीं की।

शानदार वापसी की

निजी जीवन में बड़े झटके के बावजूद दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट में शानदार वापसी की। उन्होंने खुद को भारत के भरोसेमंद फिनिशर के रूप में स्थापित किया और कई यादगार पारियां खेलीं। बाद में उन्होंने भारतीय स्क्वैश स्टार दीपिका पल्लीकल से शादी की। हाल ही में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा हैं और क्रिकेट कमेंट्री व विश्लेषण में भी सक्रिय हैं। मुरली विजय के इस भावुक बयान को सोशल मीडिया पर काफी सराहा जा रहा है।

संजू सैमसन के समर्थन में उतरे अंबाती रायुडू

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिला, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। इस फैसले के बाद भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने संजू के समर्थन में सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया। रायुडू ने कहा कि सूर्यवंशी का डेब्यू जश्न मनाने लायक है, लेकिन संजू सैमसन के हालिया योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

रायुडू ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'आइए संजू सैमसन के बारे में भी एक पल सोचें। वैभव को डेब्यू करते देखना बेहद खुशी की बात है और इसका जश्न मनाया जाना चाहिए, लेकिन यह मत भूलिए कि सिर्फ तीन टी20 मैच पहले संजू टी20 विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' थे। मुझे उम्मीद है कि वह दमदार वापसी करेंगे। साथ ही मैं वैभव सूर्यवंशी के लंबे और रिकॉर्ड तोड़ने वाले करियर की भी शुभकामनाएं देता हूं।'संजू सैमसन पहले टी20 मुकाबले में सिर्फ सात गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए थे। इसके बाद टीम प्रबंधन ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करते हुए युवा वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया।

प्रज्ञानंद ब्लिट्स में पिछड़े, अलीरेजा ने बढ़त बनाई

जागरेब(एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड वर्ग वाला अपना शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम रहे और ब्लिट्ज वर्ग के शुरुआती नौ दौर में सिर्फ 3.5 अंक ही हासिल कर पाए। इस बीच फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शानदार खेल दिखाते हुए एकल बढ़त बना ली है। प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है।

प्रज्ञानंद चौथे स्थान पर खिसके

अलीरेजा ने तेज खेल वाले प्रारूप में कमाल का खेल दिखाया और नौ में से आठ अंक हासिल किए। उन्होंने 20 अंक के साथ अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव पर तीन अंक की बड़ी बढ़त बना ली है। प्रज्ञानंद 15.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए, जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश का दिन भी औसत रहा और वे 14 अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ग्रैंड चेस टूर के इतिहास में सबसे दमदार प्रदर्शन में से एक में अलीरेजा ने आधे खिलाड़ियों को कम से कम सात अंक पीछे छोड़ दिया है। जर्मनी के विन्सेंट कीमर 13 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं। नीदरलैंड के अनीश गिरी उनसे आधा अंक पीछे हैं, जबकि रोमानिया के डीक बोगदान डैनियल के 11.5 अंक हैं। नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट उनसे दो अंक और पीछे हैं, जबकि क्रोएशिया के इवान सारिक सिर्फ पांच अंक के साथ सबसे नीचे हैं।

ब्लिट्ज वर्ग में नौ दौर का खेल शेष

रैपिड वर्ग के बाद अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे प्रज्ञानंद ब्लिट्ज वर्ग में अपनी लय खो बैठे। दिन की शुरुआत कीमर पर जीत के साथ करने के बाद प्रज्ञानंद ने गिरी के साथ अगली बाजी ड्रॉ खेली लेकिन फिर लगातार चार हार ने उनके आत्मविश्वास को कम कर दिया। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ी ने आठ में से 3.5 अंक जुटाए। गुकेश के लिए भी स्थिति काफी अलग नहीं थी लेकिन उन्होंने प्रज्ञानंद से आधा अंक अधिक हासिल किया। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन ने चार बाजी गंवाई। ब्लिट्ज वर्ग में अब भी नौ दौर खेले जाने बाकी हैं लेकिन शीर्ष स्थान शायद पहले ही तय हो चुका है। अगर प्रज्ञानंद इस टूर्नामेंट के आखिरी दिन लय वापस पा लेते हैं तो उनके पास अब भी पोडियम पर जगह बनाने का मौका होगा।

फ्रांस-पराग्वे के खिलाड़ी भिड़े, हुई धक्का-मुक्की

फ्रांस और पराग्वे के बीच राउंड ऑफ-16 मुकाबले की आखिरी सीटी बजते ही मैदान पर माहौल गर्म हो गया। दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए और कुछ देर तक धक्का-मुक्की भी देखने को मिली। मैच के दौरान ही फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे और पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल के बीच भी तनातनी हो गई। एमबाप्पे ने गिल से हाथ नहीं मिलाया, जिसके बाद नाराज गोलकीपर ने उनके जाते समय पीठ पर मैच बॉल फेंक दी। हालांकि, फ्रांसीसी स्टार ने पलटकर कोई जवाब नहीं दिया और अपनी टीम के साथ जीत का जश्न मनाते रहे।मैच में दोनों टीमों के बीच 70 मिनट तक कड़ी टक्कर देखने को मिली। मैच के दौरान कई ऐसे पल आए, जब दोनों टीमों के खिलाड़ी भिड़ने पर आ गए। पर एक वक्त एमबाप्पे की लड़ाई पराग्वे के डिएगो गोमेज से हो गई। इसके बाद पराग्वे के खिलाड़ी एमबाप्पे को धक्का देने लगे। इस पर फ्रांस के खिलाड़ी भी पहुंच गए और जमकर धक्का मुक्की हुई। रेफरी पहले तो बीचबचाव करते हुए एमबाप्पे को साइड ले जाते दिखे, फिर जब दोनों टीमों के खिलाड़ी आ गए तो रेफरी ने किनारा कर लिया।

क्यूब हाईवेज ट्रस्ट 5000 करोड़ रुपए के आईपीओ की तैयारी में

निवेशक आधार बढ़ाने पर जोर, 27 राजमार्ग परिसंपत्तियों का है ट्रस्ट का पोर्टफोलियो

नई दिल्ली ।

राजमार्ग अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) क्यूब हाईवेज ट्रस्ट इस महीने 5,000 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना बना रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह पूरा निर्गम बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा, जिसमें मौजूदा निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे और ट्रस्ट कोई नई पूंजी नहीं जुटाएगा। ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य सूचीबद्ध होने के बाद अपने निवेशक आधार का विस्तार करना और यूनिट में कारोबार को बढ़ाना है। मार्च 2026 तक, क्यूब हाईवेज ट्रस्ट के पास देश के 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में कुल 8,754 लेन किलोमीटर की 27 परिचालन वाली राजमार्ग परिसंपत्तियां हैं, जिनकी औसत शेष रियायती अवधि 18 वर्ष है। ट्रस्ट के पोर्टफोलियो का लगभग 85 फीसदी हिस्सा टोल सड़क परियोजनाओं का है, जिन्हें यातायात वृद्धि और महंगाई से जुड़ी टोल दरों में संशोधन का लाभ मिलता है। शेष 15 फीसदी परिसंपत्तियां एन्यूटी आधारित परियोजनाएं हैं, जिनसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की अनुबंधित भुगतान व्यवस्था के तहत स्थिर आय प्राप्त होती है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ट्रस्ट ने प्रति यूनिट 13.77 रुपये के वितरण की घोषणा की थी। इस अवधि में नौ अधिग्रहण पूरे होने से ट्रस्ट की प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर 36,842 करोड़ रुपये पर पहुंच गईं। ट्रस्ट ने लगभग 7,300 करोड़ रुपये के संयुक्त उपक्रम मूल्य वाली चार नई राजमार्ग परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्धता पत्र भी हासिल किए हैं, जिससे पोर्टफोलियो बढ़कर 31 परिसंपत्तियों का हो जाएगा। प्रायोजकों से तीन अतिरिक्त परिसंपत्तियों पर 'राइट ऑफ फर्स्ट ऑफर' भी मिला है, जो भविष्य के विस्तार की संभावनाओं को मजबूत करता है।

बिहार आईटी हब बनने को तैयार बेंगलुरु मीट में वैश्विक दिग्गजों ने दिखाई निवेश में दिलचस्पी

मंत्री नीतीश मिश्रा और सचिव अभय कुमार सिंह ने वैश्विक कंपनियों को किया आकर्षित

मुंबई ।

बेंगलुरु में आयोजित बिहार आईटी इंडस्ट्री मीट 2026 में बिहार सरकार को देश और दुनिया की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। राज्य को देश के अग्रणी डिजिटल और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से हुई इस बैठक में निवेशकों ने बिहार की नई नीतियों और कुशल मानव संसाधन में गहरी रुचि दिखाई। इस सफल आयोजन ने बिहार में बड़े पैमाने पर डिजिटल निवेश और उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त किया है। बिहार सरकार का सूचना प्रावैधिकी विभाग राज्य को डिजिटल क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए सक्रिय है। इसी कड़ी में बेंगलुरु में बिहार आईटी इंडस्ट्री मीट 2026 का आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) लीडर्स, स्टार्टअप्स और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बिहार में निवेश आकर्षित करना और वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी स्थापित करना था। इस अवसर पर बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने राज्य के आधुनिक तकनीकी इकोसिस्टम को विकसित करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि बिहार आईटी पॉलिसी 2024 और बिहार ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी 2026 बड़े निवेश, रोजगार सृजन और राज्य को वैश्विक तकनीकी मानचित्र पर नई पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होंगी।

कोल इंडिया और यूपीआरवीयूएनएल के बीच हुआ समझौता

साझेदारी से सौर, पवन और पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं पर होगा काम

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा क्रांति को नई गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल हुई है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) ने राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास हेतु एक संयुक्त उपक्रम (जेवी) समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य प्रदेश की बढ़ती बिजली जरूरतों को टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल समाधानों से पूरा करना है। लखनऊ में हुए इस समझौते के तहत एक नई जेवी कंपनी का गठन होगा, जिसमें कोल इंडिया लिमिटेड की 51 फीसदी और यूपीआरवीयूएनएल की 49 फीसदी हिस्सेदारी होगी।

गैस संकट से थमी रायबरेली रेल पहिया कारखाने की रफ्तार

गैस आपूर्ति ठप होने से मात्र 7300 पहिए ही बन सके, वार्षिक लक्ष्य 60,000 का

रायबरेली ।

भारतीय ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने के प्रयासों को बड़ा झटका लगा है। ईरान-इजराइल युद्ध के कारण बाधित हुई गैस आपूर्ति ने देश के रेल पहिया उत्पादन कारखाने की कमर तोड़ दी है। गैस की कमी के चलते पिछले तीन माह में कारखाना केवल 7300 पहिए ही बना पाया है, जबकि चालू वित्त वर्ष का लक्ष्य 60,000 पहियों का है। यह गंभीर संकट ईरान-इजराइल युद्ध के कारण गैस आपूर्ति में आई रुकावट से पैदा हुआ है, क्योंकि कारखाने को आवश्यक मात्रा में गैस नहीं मिल पा रही है। प्रति वर्ष 80 हजार से एक लाख रेल पहिए बनाने की क्षमता वाले इस कारखाने का उत्पादन पहले आरआईएनएल के तहत धीमा रहा था। अप्रैल 2024 में भारतीय रेलवे ने इसका अधिग्रहण किया और आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) के अधिकारियों-कर्मचारियों की मेहनत से उत्पादन में सुधार देखा गया। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 22562 और वित्तीय वर्ष 2024-25 में 33515 पहियों का

उत्पादन हुआ था। हालांकि, मौजूदा गैस संकट ने इस प्रगति पर विराम लगा दिया है ।और रेलवे के लिए अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करना अब एक बड़ी चुनौती बन गया है।

नौ महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी रद्द, निवेशकों की अरुचि बनी चुनौती

- सरकार की आयात निर्भरता घटाने की योजना प्रभावित

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार को महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में एक बार फिर झटका लगा है। निवेशकों की उदासीन प्रतिक्रिया और पर्याप्त बोलीदाताओं की कमी के चलते सरकार ने नौ महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉक की नीलामी रद्द कर दी है। यह फैसला देश की ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर निर्भरता घटाने की रणनीतिक योजनाओं के लिए एक बड़ा धक्का माना जा रहा है। खान मंत्रालय के अनुसार, सातवें दौर की नीलामी में शामिल किए गए कुल 19 ब्लॉकों में से दो के लिए कोई बोली प्राप्त नहीं हुई- इनमें मध्य प्रदेश का मझौली टाइटेनियम, वैनेडियम एवं एल्युमिनस लैटराइट ब्लॉक तथा राजस्थान का रैमब देगाना टंगस्टन, लिथियम एवं संबद्ध खनिज ब्लॉक शामिल हैं। वहीं, बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में स्थित सात अन्य ब्लॉकों (मुख्यतः ग्लॉकोनाइट, वैनेडियम और ग्रेफाइट) के लिए तकनीकी रूप से तीन से कम पात्र बोलीदाता मिले, जिसके कारण उनकी नीलामी निरस्त कर दी गई। यह घटनाक्रम दर्शाता है कि तकनीकी जटिलताओं, अधिक पूंजीगत लागत और नियामकीय अनिश्चितताओं के चलते निजी निवेशकों को ऐसे खनिज ब्लॉकों की ओर आकर्षित करना अब भी एक बड़ी चुनौती है। सरकार इससे पहले भी महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की कई नीलामियां रद्द कर चुकी है, जो इस क्षेत्र में लगातार आ रही समस्याओं को रेखांकित करता है। सातवें दौर में पहली बार गुजरात, उत्तराखंड और तेलंगाना के ब्लॉक शामिल किए गए थे, जिससे देश में महत्वपूर्ण खनिजों के अन्वेषण का दायरा विस्तृत हुआ था।

शीर्ष 10 में से 6 कंपनियों के मूल्यांकन में 1 लाख करोड़ का इजाफा

भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस ने मारी बाजी

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली, जिसके परिणामस्वरूप देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह का संयुक्त बाजार मूल्यांकन एक लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ गया। इस उछाल में भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई। सकारात्मक घरेलू आर्थिक संकेतकों और वैश्विक मौद्रिक नीति में नरमी की उम्मीदों ने निवेशकों के विश्वास को मजबूत किया, जिससे बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में भी उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की गई। पिछले सप्ताह बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 663.44 अंक (0.86 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 214.85 अंक (0.89 प्रतिशत) बढ़कर बंद हुआ। बाजार के जानकारों ने बताया कि घरेलू मैक्रोइकॉनोमिक संकेतकों में मजबूती, जीएसटी संग्रह में अच्छी वृद्धि और औद्योगिक गतिविधि में सुधार ने बाजार को गति दी। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका के श्रम बाजार के उम्मीद से नरम आंकड़ों के बाद अधिक उदार वैश्विक मौद्रिक नीति की उम्मीदों ने निवेशकों का भरोसा और बढ़ाया। इस दौरान भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 36,529.21 करोड़ रुपये बढ़कर 11,63,877.30 करोड़ रुपये हो गया, जो शीर्ष 10 में सबसे बड़ी बढ़त रही। बजाज फाइनेंस ने 33,059.83 करोड़ रुपये की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की, जिससे इसका मूल्यांकन 6,43,141.36 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक

(16,084.29 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (7,664.89 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (8,601.99 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (6,461.38 करोड़ रुपये) भी फायदे में रहे। हालांकि, कुछ कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में गिरावट भी आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज को 18,945.56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जबकि लार्सन एंड टुब्रो (26,572.2 करोड़ रुपये) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) (4,846.08 करोड़ रुपये) के मूल्यांकन में भी कमी दर्ज की गई।

इन उतार-चढ़ाव के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,64,981.36 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान आता है।

वैश्विक संकेतों और कंप नियों के नतीजों पर टिकी बाजार की नजर

अमेरिका-ईरान वार्ता कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव और टीसीएस के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही तेजी के बाद निवेशकों की नजर अब इस सप्ताह में वैश्विक और घरेलू कारकों पर टिक गई है।

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, और प्रमुख आईटी कंपनी टीसीएस के पहली तिमाही के नतीजे बाजार की चाल निर्धारित करेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, आगामी सप्ताह में वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम शांति समझौते को लेकर जारी वार्ता पर निवेशकों की पैनी नजर बनी रहेगी।

इस वार्ता का परिणाम न केवल वैश्विक स्थिरता को प्रभावित करेगा, बल्कि कच्चे तेल की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव ला सकता है। कच्चे तेल की कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए संवेदनशील हैं, क्योंकि इनकी तेजी आयात बिल बढ़ाती है और रुपये पर दबाव डालती है, जबकि नरमी राहत प्रदान कर सकती है। इसके अतिरिक्त, विदेशी शेयर बाजारों के रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां भी भारतीय बाजार को प्रभावित करेंगी।

घरेलू स्तर पर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी, के पहली तिमाही के नतीजे 09 जुलाई को घोषित होंगे। ये नतीजे केवल टीसीएस के प्रदर्शन को ही नहीं दर्शाएंगे, बल्कि पूरे आईटी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण संकेतक होंगे। विश्लेषकों का मानना है कि टीसीएस की आय, मुनाफा और विशेष रूप से प्रबंधन की भविष्य की टिप्पणी अन्य तकनीकी शेयरों की दिशा और बाजार के समग्र मूड को प्रभावित कर सकती है। निवेशकों को कंपनी की विकास संभावनाओं और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच उसके लचीलेपन पर ध्यान देना होगा।

पायरेसी पर केंद्र का कड़ा प्रहार- टेलीग्राम को सख्त नोटिस, 15 दिन में मांगी रिपोर्ट

- प्लेटफॉर्म की जवाबदेही तय करने पर जोर, आपराधिक श्रेणी में आएगा पायरेटेड कंटेंट साझा करना

नई दिल्ली। फिल्म और ओटीटी कंटेंट की चोरी (पायरेसी) पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा कदम उठाते हुए मशहूर मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को सख्त नोटिस जारी किया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने प्लेटफॉर्म पर धड़ल्ले से शेयर हो रही पायरेटेड सामग्री पर तत्काल रोक लगाने को कहा है और अगले 15 दिनों के भीतर की गई कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट मांगी है। सरकार ने साफ कर दिया है कि अब छोटे-मोटे लिंक्स या चैनल्स को ब्लॉक करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि प्लेटफॉर्म को अपनी जवाबदेही तय करनी होगी। मंत्रालय ने कड़े शब्दों में याद दिलाया है कि भारत में पायरेसी सिर्फ एक दीवानी उल्लंघन नहीं, बल्कि कॉपीराइट एक्ट, 1957 और सिनेमैटोग्राफ एक्ट, 1952 के तहत एक गंभीर आपराधिक श्रेणी का अपराध है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि केवल शिकायत मिलने पर चैनल्स हटाना आईटी एक्ट, 2000 और आईटी रूल्स, 2021 के तहत प्लेटफॉर्म की पूरी जिम्मेदारी (ड्यू डिलिजेंस) को साबित नहीं करता।

इस हफ्ते दो कंपनियों से निवेशकों को मिलेंगे बोनस शेयर

गोल्डियाम इंटरनेशनल और हिंदुस्तान इंसुलेटर्स ने एक्स-डेट व रिकॉर्ड डेट 10 जुलाई तय की

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। दो कंपनियां गोल्डियाम इंटरनेशनल लिमिटेड और हिंदुस्तान इंसुलेटर्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा देने जा रही हैं। इस कॉर्पोरेट एक्शन के लिए एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट 10 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है, जिससे निवेशकों को भविष्य में बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार गोल्डियाम इंटरनेशनल लिमिटेड (सिक्योरिटी कोड- 526729, गो ल्डियम) ने अपने निवेशकों के लिए 1:3 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने का फैसला किया है। इसका अर्थ है कि कंपनी के हर 3 मौजूदा शेयरों पर निवेशकों को 1 अतिरिक्त शेयर मुफ्त मिलेगा, जिससे उनके शेयरों की कुल संख्या में वृद्धि होगी। इसी कड़ी में, हिंदुस्तान इंसुलेटर्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (सिक्योरिटी कोड- 539984, हिल) भी अपने शेयरधारकों पर मेहरबान हुई है। इस कंपनी ने 2:1 के धमाकेदार अनुपात में बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। यानी, प्रत्येक 1 शेयर पर आपको 2 नए बोनस शेयर मिलेंगे, जिससे आपका कुल शेयर होल्डिंग तीन गुना हो जाएगा। दोनों ही कंपनियों ने इस बोनस तोहफे के लिए एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट 10 जुलाई तय की है।

वैश्विक बाजार में सोने की जोरदार वापसी, साप्ताहिक बढ़त से निवेशकों में उत्साह

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड तेजी के साथ 4200 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया

नई दिल्ली ।

कई सप्ताह की नरमी के बाद वैश्विक सोने के बाजार में इस हफ्ते जोरदार तेजी दर्ज की गई है। मई के बाद पहली बार सोने ने साप्ताहिक आधार पर मजबूत बढ़त हासिल की, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड 2.2 प्रतिशत की तेजी के साथ 4200 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया। इस उछाल की मुख्य वजह अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीदों का कमजोर होना है। जून के रोजगार आंकड़ों के बाद फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में बढ़ोतरी की संभावना कम हुई है, जिससे डॉलर इंडेक्स में भी गिरावट आई। इसके साथ ही, दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की बढ़ती खरीदारी ने भी सोने को बड़ा सहारा दिया। भारतीय मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी इसका असर दिखा। यहां गोल्ड फ्यूचर्स 1.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,47,365 रुपए प्रति 10 ग्राम पर, जबकि सिल्वर फ्यूचर्स 2.11 प्रतिशत चढ़कर 2,34,081 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौजूदा आर्थिक परिस्थितियां बनी रहती हैं, तो सोने में आगे भी मजबूती आ सकती है। अमेरिकी निवेश बैंक जेपी मॉर्गन ने चौथी तिमाही में सोने के 4,500 डॉलर

प्रति औंस तक पहुंचने का अनुमान जताया है। उनका मानना है कि केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी और सुरक्षित निवेश की मांग लंबी अवधि में सोने को समर्थन देती रहेगी।

निफ्टी ने अनिश्चितता छोड़ी पीछे, 24,500 के ऊपर नई रफ्तार संभव

बैंकिंग सेक्टर मजबूत, भागीदारी का दायरा बढ़ा।

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार एक ऐसे नए दौर में है, जहां सूचकांकों के बजाय सेक्टरों की बदलती ताकत अगली तेजी का आधार बनेगी। निफ्टी ने मजबूती दिखाते हुए संकेत दिया कि खरीदार बाजार पर पकड़ बना रहे हैं, जिससे अनिश्चितता पीछे छूटी है। निफ्टी के लिए 24,490-24,510 का क्षेत्र सबसे बड़ी बाधा है, जिसे पार करने पर 24,630 से 24,860 तक की नई तेजी मिल सकती है। 24,060-24,080 निकट अवधि का महत्वपूर्ण समर्थन रहेगा, जबकि 23,800 मजबूत आधार का काम कर सकता है। विकल्प आंकड़ों में 24,500 पर कॉल ओपन इंटरेस्ट प्रतिरोध और 24,000 पर पुट ओपन इंटरेस्ट आधार दर्शाता है। लगभग 1 का पीसीआर ऊपर बढ़ने की संभावना

को इंगित करता है। इस पूरे बाजार में बैंकिंग सेक्टर सर्वाधिक मजबूत रहा है और अगली बड़ी चाल से पहले स्वस्थ कंसोलिडेशन में है। 58,740-58,760 के ऊपर बंद होने पर बैंक निफ्टी 59,600 से 60,000 की ओर बढ़ सकता है। निजी बैंक मजबूत हो रहे हैं, जबकि पीएसयू बैंकों में स्वस्थ मुनाफावसूली है।

तेल-तिलहन बाजार में मिला-जुला रुख, मूंगफली-बिनौला मजबूत, सरसों-सोयाबीन कमजोर

सस्ता होने से मूंगफली और उपलब्धता की कमी से बिनौला तेल में उछाल

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में कीमतों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। सूरजमुखी तेल के महंगा होने और बिनौला तेल की कम उपलब्धता के कारण उपभोक्ताओं की मांग मूंगफली और बिनौला तेल की ओर बढ़ी, जिससे इनके दाम में सुधार आया। वहीं, ऊंची कीमतों पर कमजोर खरीदारी, प्लांट वालों की ओर से दाम घटाने और लागत से नीचे बिक्री के दबाव में सरसों, सोयाबीन और पाम तेलों के दाम में गिरावट दर्ज की गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सूरजमुखी तेल की बढ़ी हुई कीमतें और बिनौला तेल की बेहद कम उपलब्धता ने मूंगफली तेल की मांग को बढ़ाया। सस्ता विकल्प होने के कारण मूंगफली तेल की औद्योगिक और खुदरा मांग तेज हुई, जिससे इसके दाम में सुधार आया। इसी तरह, नमकीन बनाने वाली कंपनियों से बिनौला तेल की औद्योगिक मांग बनी रहने और उपलब्धता न के बराबर होने के चलते इसके दाम भी सुधरे। दूसरी ओर, ऊंची कीमतों के कारण सरसों तेल की खरीदारी धीमी रही, क्योंकि उपभोक्ता सस्ते आयातित तेलों को तरजीह दे रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई। सोयाबीन तेल-तिलहन में भी प्लांट मालिकों द्वारा खरीद के दाम घटाने के कारण कमजोरी दिखी। सूत्रों ने बताया कि लागत मूल्य से नीचे बिकवाली के दबाव के चलते कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन के दाम भी लुढ़क गए, जिससे इन तेलों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की गिरावट के साथ 7,525-7,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,525 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,565-2,665 रुपये और 2,565-2,710 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 100-100 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 7,000-7,050 रुपये और 6,850-6,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 15,400 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 175 रुपये की गिरावट के साथ 15,250 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 25 रुपये की गिरावट के साथ 11,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में शांति बहाली के बाद भारत ने प्राकृतिक गैस आपूर्ति पर आपात प्रतिबंध हटाए

पेट्रोलियम मंत्रालय ने होर्मुज जलडमरूमध्य से एलएनजी आपूर्ति सामान्य होने के बाद अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने और होर्मुज जलडमरूमध्य से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति सामान्य होने के बाद केंद्र सरकार ने प्राकृतिक गैस आपूर्ति पर लगाए गए अधिकांश आपातकालीन प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को अधिसूचना जारी कर प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश, 2026 में किए गए उन संशोधनों को हटा दिया, जो घरेलू और आयातित गैस की आपूर्ति को सरकार द्वारा तय प्राथमिकता सूची के अनुसार विनियमित करते थे। सरकार ने ये आपातकालीन प्रतिबंध नौ मार्च को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत लागू किए थे, जब पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने और अमेरिका-इजरायल की ओर से ईरान पर हमलों के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से एलएनजी की आवाजाही प्रभावित हुई थी। उस समय कई अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं ने फोर्स मेज्योर लागू कर दिया था, जिससे भारत सहित कई देशों की ऊर्जा सुरक्षा पर गहरा असर पड़ने की आशंका पैदा हो गई थी। मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना में स्पष्ट किया है कि अब क्षेत्र में युद्धविराम लागू है, राजनयिक बातचीत जारी है और होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात पूरी तरह से सामान्य हो चुका है। ऐसे में गैस आपूर्ति पर लगाए गए इन आपातकालीन प्रावधानों को जारी रखने की आवश्यकता नहीं रह गई है। पश्चिम एशिया संकट के दौरान, सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुल तीन बड़े कदम उठाए थे। इनमें प्राकृतिक गैस आपूर्ति का नियंत्रण, रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश और थोक उपभोक्ताओं के लिए डीजल की बिक्री को सीमित करना शामिल था। एलपीजी उत्पादन और डीजल बिक्री से जुड़े प्रतिबंध पहले ही वापस ले लिए जा चुके थे, और अब गैस आपूर्ति से जुड़े प्रावधान भी समाप्त कर दिए गए हैं। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस की लगभग आधी आवश्यकता आयात के जरिये पूरी करता है। इसमें से लगभग 40-45 प्रतिशत कच्चा तेल और 65 प्रतिशत एलएनजी आयात पश्चिम एशिया से होता है। यही कारण है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह का व्यवधान भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती माना जाता है।

मुंबई-गुजरात में मानसून का कहर

राजस्थान-हिमाचल में खूब बरसे बादल

मुंबई, अहमदाबाद, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के साथ ही शुक्रवार को राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में जमकर वर्षा हुई, लेकिन उत्तर प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ता दिखा।

राज्य के 50 से अधिक जिलों में छिटपुट वर्षा हुई है। वज्रपात की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य झुलस गए। आज दिल्ली एनसीआर में बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश में भी वर्षाजनित हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। प्रेट्र के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार 'अल नीनो' प्रभाव के कारण देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम बारिश और 'संभावित सूखे की स्थिति' से उत्पन्न हालात पर लगातार नजर रख रही है।

गुजरात के राजकोट और सूरत में बारिश के कारण जलभराव

कृषि और अन्य संबंधित मंत्रालयों को 'सतर्क' रहने का निर्देश दिया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तरी-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से उत्तर प्रदेश में मानसून की रफ्तार धीमी हुई है। गुजरात के राजकोट और सूरत में बारिश के कारण जलभराव हो गया। लखनऊ समेत 50 से अधिक जिलों में अगले तीन दिन तक केवल छिटपुट बारिश, धूप और उमसभरी गर्मी का असर रहने की संभावना है। छह जुलाई से मानसून के दोबारा सक्रिय होने और सात व आठ जुलाई को प्रदेशभर में अच्छी बारिश होने की संभावना है। शुक्रवार को सबसे अधिक 99.8 मिमी वर्षा कानपुर में रिकॉर्ड की गई। इससे कई इलाकों में जलभराव के कारण करीब सात घंटे तक यातायात बाधित रहा। दुकानों और कार्यालयों में पानी भर गया। एक चार मंजिला अपार्टमेंट के बेसमेंट में पानी भरने से जमीन धंस गई और इमारत टेढ़ी हो गई। 80 फीट रोड सहित कई सड़कों पर धंसाव हुआ, पेड़ उखड़ गए और फूलबाग में आर्डिनेंस फैक्ट्री की दीवार भी गिर गई।

जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भरा पानी

राजस्थान में करीब एक सप्ताह की देरी से पहुंचे मानसून ने गुरुवार रात से शुक्रवार तक जोरदार दस्तक दी। 22 जिलों में जमकर वर्षा हुई। भीलवाड़ा, बांसवाड़ा और चित्तौड़गढ़ में करीब ढाई इंच वर्षा दर्ज की गई। डूंगरपुर में आकाशीय बिजली गिरने से दो सगे भाई झुलस गए, जिनमें से एक की उपचार के दौरान मौत हो गई।

जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में भी बारिश का पानी ट्रामा सेंटर और माइनर ऑपरेशन थिएटर में भर गया। जलभराव के कारण माइनर ओटी के मरीजों को दूसरे वार्ड में स्थानांतरित करना पड़ा। लगातार बारिश से दिन के तापमान में करीब चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।

मुंबई में पांच घंटे में 70 मिमी से अधिक बारिश

मुंबई में शुक्रवार को लगातार बारिश जारी रही। शहर के कई क्षेत्रों में केवल पांच घंटे में 70 मिलीमीटर (मिमी) से अधिक वर्षा दर्ज की गई।

पीएम का फर्जी वीडियो अपलोड़ करने वाले पर मुकदमा दर्ज

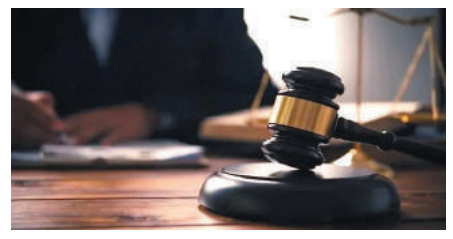

जयपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एआइ जनरेटेड वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर अपलोड़ किया गया है। इस मामले में जयपुर के भाजपा प्रवक्ता और वकील खेमचंद शर्मा ने मुहाना पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। शर्मा का आरोप है कि फेसबुक पर जयपुर के कार्तिकेय भारद्वाज नाम के व्यक्ति ने पीएम मोदी का एआइ जनरेटेड वीडियो अपने अकाउंट पर पोस्ट किया है। यह वीडियो प्रधानमंत्री पद की गरिमा के विपरीत है। यह वीडियो लोगों की भावनाओं को आहत करने वाला है। यह सैंवधानिक पद पर बैठे पीएम के खिलाफ अविश्वास की भावना पैदा करता है। इसके माध्यम से लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित देश के नेता की छवि धूमिल की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

सरकार का बड़ा फैसला

सरकारी विभागों में वर्क फ्रॉम होम खत्म, नया टाइम-टेबल लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में हालात सामान्य होने के बाद दिल्ली सरकार ने सरकारी कार्यालयों में लागू विशेष व्यवस्थाओं को समाप्त करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार और शनिवार को लागू वर्क फ्राम होम व्यवस्था वापस लेने को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के कार्यालयों के कार्य समय में भी संशोधन किया गया है।

देखें नया टाइम-टेबल

अब सरकारी दफ्तर सुबह 10 बजे से शाम 6 :30 बजे तक संचालित होंगे। वहीं, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कर्मचारियों के लिए पहले से लागू समय सुबह 8 :30 बजे से शाम 5 बजे तक ही रहेगा और इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार का कहना है कि सुरक्षा स्थिति सामान्य होने और प्रशासनिक कार्यों को पूरी क्षमता के साथ संचालित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। नए आदेश लागू होने के बाद सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी नियमित रूप से कार्यालयों में उपस्थित होकर कार्य करेंगे।

बच्ची को गोद लेकर आस्ट्रेलिया ले जाना चाहते थे माता-पिता

अटक गया था एनओस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने आस्ट्रेलिया में रहने वाले भारतीय मूल (ओसीआई) के एक दंपती को बड़ी राहत देते हुए केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) को उनकी गोद ली हुई बच्ची के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी करने का निर्देश दिया है। यह एनओसी मिलने के बाद बच्ची के आस्ट्रेलिया जाने और वहां उसकी कानूनी प्रक्रिया पूरी होने का रास्ता साफ हो जाएगा।

मामला यह था कि दंपती ने भारत में हिंदू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम (एचएएमए) के तहत बच्ची को गोद लिया था। लेकिन जब उन्होंने सीएआरए से एनओसी मांगा तो प्राधिकरण ने यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि विदेश में रहने वाले दंपती के दत्तक ग्रहण के लिए निर्धारित प्रक्रिया पूरी नहीं की गई और आस्ट्रेलियाई सरकार का जरूरी प्रायोजन पत्र नहीं दिया गया। दंपती ने हाई कोर्ट को बताया कि आस्ट्रेलिया, भारत में एचएएमए के तहत हुए ऐसे दत्तक ग्रहण को अलग श्रेणी का मामला मानता है। इसलिए वहां की सरकार इस तरह का स्पान्सरशिप लेटर जारी ही नहीं करती। ऐसे में सीएआरए की बताई शर्त पूरी करना उनके लिए संभव नहीं था।

अब घर बैठे करें आवेदन, 60 दिनों में मिलेगी सब्सिडी की राशि

- दिल्ली सरकार ने ईवी पोर्टल किया लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन पॉलिसी का लाभ हर दिल्लीवासी तक पहुंचाने के लिए आज आधिकारिक पोर्टलका शुभारंभ किया। इस मौके पर दिल्ली कैबिनेट मंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब नागरिकों को सब्सिडी और अन्य प्रोत्साहनों का लाभ लेने के लिए घर बैठे आसानी से आवेदन करने की सुविधा मिल गई है। नए पोर्टल के माध्यम से लोग ईवी सब्सिडी के लिए आवेदन कर सकते हैं, रियल-टाइम ट्रैकिंग कर सकते हैं और सत्यापन पूरा होने के बाद अधिकतम 60 दिनों के अंदर प्रोत्साहन राशि सीधे अपने बैंक खाते में के जरिए प्राप्त कर सकेंगे।

दिल्ली में सरकारी जमीन पर पार्किंग माफिया का कब्जा

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुनापार में अवैध पार्किंग के खिलाफ अभियान चलाकर दिल्ली नगर निगम के आरपी सेल के अधिकारियों को बेनकाब किया। किस तरह से पार्किंग माफिया के साथ मिलकर सरकारी जमीनों पर अवैध पार्किंग करवाकर वसूली का खेल चल रहा था। माफिया ने न्यू उस्मानपुर थाने के पास डीएम कार्यालय की जमीन पर भी करीब एक वर्ष से कब्जा किया हुआ था। डीएम अजय कुमार ने सख्त तेवर दिखाते हुए निगम से जमीन को खाली करवाया।

- **कुछ वाहनों को निगम ने जब्त किया-** उस्मानपुर थाने के पास डीएम का कार्यालय बनना प्रस्तावित है। एक हजार गज से अधिक जमीन यहां खाली पड़ी हुई है। डीएम की टीम अपनी जमीन पर पहुंची। निगम व यातायात पुलिस को मौके पर बुलवाया। जमीन पर अवैध पार्किंग धड़ल्ले से चलती हुई मिली। यहां करीब सौ से अधिक वाहन खड़े हुए थे। डीएम की टीम ने वाहनों के पहियों की हवा निकाली। यातायात पुलिस ने 92 वाहनों के चालान किए। कुछ वाहनों को निगम ने जब्त किया।
- **निगम पर उठ रहे सवाल-** शास्त्री पार्क, न्यू उस्मानपुर पांचवा पुश्ता, शास्त्री पार्क ठेके के पास, खजूरी फ्लाईओवर के नीचे पीडब्ल्यूडी, डीडीए की जमीनों पर

धड़ल्ले से अवैध पार्किंग चल रही है। डीएम कार्यालय की जमीन पर कार्रवाई होने के बाद सवाल उठ रहे हैं आखिर इन विभागों की सरकारी जमीनों को निगम कब खाली करवाएगा। पार्किंग माफिया पर कार्रवाई कब होगी। शास्त्री पार्क में नाले के ऊपर अवैध पार्किंग चल रही है, आरोप है बिजली भी चोरी हो रही है। इस मामले में निगम की आरपी सेल उपायुक्त कनिका सिंह से बात करने की कोशिश की गई लेकिन कोई जवाब नहीं दिया।

सरकारी जमीन पर दोबारा पार्किंग न हो जाए

कार्रवाई की पूरी मॉनिटरिंग डीएम ने खुद की। डीएम के सख्त संदेश थे अगर उनके कार्यालय के कर्मचारियों ने जरा भी गड़बड़ की तो उनकी नौकरी जा सकती है। प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि प्रशासन ने न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस को एफआइआर दर्ज करने के लिए कहा तो पुलिस ने कानून का पाठ पड़ा दिया। कहा माफिया के खिलाफ अगर एफआईआर दर्ज होगी तो यहां खड़े वाहनों को जब्त करना होगा, सभी केस प्रापर्टी हो जाएंगे। प्रशासन ने पुलिस को चेताया है कि सरकारी जमीन पर दोबारा पार्किंग न हो जाए।

भीषण गर्मी के बावजूद भी नहीं रुकेगा जश्न, ट्रंप देंगे संबोधन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका अपने 250वें स्वतंत्रता दिवस का ऐतिहासिक जश्न मना रहा है। हालांकि वॉशिंगटन और पूर्वी अमेरिका के कई हिस्सों में भीषण गर्मी को देखते हुए कार्यक्रमों के समय में बदलाव किया गया है। इसके बावजूद सैल्यूट टू अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का संबोधन, सैन्य प्रदर्शन और भव्य आतिशबाजी तय कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। वहीं, ट्रंप ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्यापर देशवासियों को संदेश देते हुए अमेरिका के इतिहास, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर भी जोर दिया।

आयोजकों ने बताया कि वॉशिंगटन में सक्रिय हीट एडवाइजरी को देखते हुए सैल्यूट टू अमेरिका समारोह के कार्यक्रमों में बदलाव किया गया है। इसका मकसद लोगों को अत्यधिक गर्मी से बचाना है। ग्रेट अमेरिकन स्टेट फेयर और फीफा फैन जोन अब दोपहर 12 बजे से खुलेंगे और कार्यक्रम समाप्त होने तक खुले रहेंगे। वॉशिंगटन मॉन्यूमेंट परिसर को भी पहले की तुलना में देर से खोला जाएगा ताकि लोगों को लंबे समय तक धूप में इंतजार न करना पड़े। आयोजकों ने साफ कहा कि समारोह जारी रहेगा, लेकिन लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। पूरे आयोजन स्थल पर मुफ्त पेयजल वितरण केंद्र बनाए गए हैं। पानी भरने (रिफिल) के स्टेशन लगाए गए हैं। लोगों को गर्मी से बचाने के लिए कूलिंग टेंट तैयार किए गए हैं। वातानुकूलित (एयर कंडीशंड) बसों की व्यवस्था की गई है। 15 एयर कंडीशंड मंडप बनाए गए हैं, जहां लोग आराम कर सकेंगे। अतिरिक्त मेडिकल टीम और चिकित्सा सहायता तैनात की गई है। धुंध वाले कूलिंग क्षेत्र (मिस्टिंग एरिया) और छायादार विश्राम स्थल बनाए गए हैं। प्रवेश को आसान बनाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा जांच व्यवस्था की गई है। लोगों से हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनने और पर्याप्त पानी पीने की अपील की गई है। समय-समय पर छांव या ठंडी जगह पर आराम करने की सलाह दी गई है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष इंतजाम। गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को खास सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में क्या होगा खास? नेशनल मॉल के ऊपर सैन्य विमानों और हेलीकॉप्टरों का प्रदर्शन शुरू होगा। नासा के विमान भी हवाई प्रदर्शन का हिस्सा होंगे। अमेरिकी तटरक्षक बल (यूएस कोस्ट गार्ड) अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेगा।

अमेरिकी सेना के हेलीकॉप्टर, वायुसेना के लड़ाकू और बमवर्षक विमान उड़ान भरेंगे। मरीन कॉर्प्स और अमेरिकी नौसेना के विमान भी हिस्सा लेंगे। मशहूर एरोबेटिक टीम ब्लू एंजेल्स और थंडरबर्ड्स प्रदर्शन करेंगी। एफ-22 रैप्टर, बी-1 बमवर्षक और एयर फोर्स वन भी फ्लाईपास्ट में शामिल होंगे। सैल्यूट टू अमेरिका' का मुख्य कार्यक्रम शुरू होगा।

नेतन्याहू के निशाने पर थे ईरानी वार्ताकार? न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट पर आ गया इस्राइल का बयान

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने उस मीडिया रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि अमेरिका को आशंका थी कि इस्राइल ईरान के वरिष्ठ वार्ताकारों को निशाना बना सकता है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस रिपोर्ट को फेक न्यूज और हकीकत से पूरी तरह अलग बताते हुए कहा कि इसमें किए गए दावे वास्तविकता पर आधारित नहीं हैं। इस बयान के बाद एक बार फिर मध्य पूर्व की कूटनीतिक हलचल और इस्राइल-ईरान संबंध चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। मामला उस रिपोर्ट से जुड़ा है, जिसमें दावा किया गया कि इस साल इस्लामाबाद वार्ता के दौरान अमेरिकी अधिकारियों को यह आशंका थी कि इस्राइल ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ को निशाना बना सकता है। रिपोर्ट के अनुसार कुछ मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों का मानना था कि 8 अप्रैल के युद्धविराम के बाद के हफ्तों में इस्राइल ऐसी योजना पर विचार कर सकता था। इसी आशंका के चलते अमेरिका ने कथित तौर पर क्षेत्र के कुछ देशों के माध्यम से तेहरान तक अप्रत्यक्ष संदेश पहुंचाया, ताकि ईरानी नेतृत्व को संभावित खतरे से आगाह किया जा सके। हालांकि रिपोर्ट में इन दावों को अधिकारियों के हवाले से पेश किया गया था। इन दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्पष्ट शब्दों में कहा कि ईरानी वार्ताकारों को लेकर प्रकाशित रिपोर्ट पूरी तरह झूठी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने लिखा, 'हमेशा की तरह ईरानी वार्ताकारों को लेकर प्रकाशित ताजा खबर फेक न्यूज है। यह वास्तविकता की पूरी तरह मनगढ़ंत कहानी है।'

मैं अपने बारे में लिखी रोचक खबर पढ़ता हूं, ट्रंप ने बताया कैसे बिताते हैं व्हाइट हाउस में समय?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की द्वितीय महिला उषा वैंस के पॉडकास्ट में शामिल हुए। यहां वे अपने शरीर और व्हाइट हाउस में अपना समय कैसे बिता रहे है। इसके बारे में बताया। ट्रंप ने वैंस के 'स्टोरीटाइम विद द सेकंड लेडी' पॉडकास्ट में भाग लिय। जिसे शुक्रवार को ऑनलाइन पोस्ट किया गया था। इस दौरान राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस हिस्टोरिकल एसोसिएशन की बच्चों की किताब 'प्रेसिडेंट्स प्ले!' पढ़ी, जिसमें राष्ट्रपतियों को खेल का आनंद लेते हुए और व्हाइट हाउस और उसके मैदानों का मनोरंजन के लिए उपयोग करते हुए दर्शाया गया है। वहीं, जब वैंस ने ट्रंप से पूछा कि क्या राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें मनोरंजन के लिए पढ़ने का पर्याप्त समय मिलता है, तो उन्होंने जवाब दिया कि वे ज्यादातर अखबार ही पढ़ते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आमतौर पर अपने बारे में लिखी गई कहानियां पढ़ता हूं।' जैसे ही ट्रंप बच्चों की किताब के पन्ने पलट रहे थे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपतियों के बारे में टिप्पणियां कीं। कुछ चुटकुले सुनाए और व्हाइट हाउस परिसर में बन रहे अपने विशाल भोज कक्ष का प्रचार भी किया। उन्होंने लिंडन जॉनसन को कठोर व्यक्तित्व, रोनाल्ड रीगन को उच्च गुणों वाला व्यक्ति और आपके पिता की तरह राष्ट्रपति बताया। वहीं, जॉन एफ. कैनेडी को दूसरे सबसे आकर्षक राष्ट्रपति के रूप में वर्णित किया। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि उनके अनुसार सबसे आकर्षक राष्ट्रपति कौन था। रिचर्ड निक्सन, जो वाटरगेट कांड में फंसने के बाद पद से इस्तीफा देने वाले एकमात्र राष्ट्रपति थे, 'शायद खुद ही मुसीबत में फंस गए थे।' महामंदी के दौरान राष्ट्रपति रहे हर्बर्ट हूवर को पुस्तक में 'हूवर बॉल' नामक एक खेल खेलते हुए दर्शाया गया है, जिसे उन्होंने खुद बनाया था। ट्रंप ने चुटकी लेते हुए कहा। 'यह उनके लिए अर्थव्यवस्था से भी बेहतर साबित हुआ।' ट्रंप के लंबे समय से उपहास का निशाना रहे बराक ओबामा को बास्केटबॉल खेलते हुए चित्रित किया गया था।

ब्रिटेन में हिंदू समुदाय को झटका, चर्च और मुस्लिम समूह को दी गई पूजा-अर्चना के लिए मिली जमीन; गैराज में रखीं मूर्तियां

लंदन, एजेंसी। कैम्ब्रिजशायर में रहने वाले ब्रिटिश हिंदुओं की उस कोशिश को झटका लगा है जिसके तहत वे काउंटी में अपनी पहली पूजा-स्थली बनाना चाहते थे। स्थानीय कार्उंसिल ने नॉर्थस्टो शहर में धार्मिक कार्यों के लिए जमीन का एक टुकड़ा एक हिंदू चैरिटी को देने के बजाय एक चर्च और मुस्लिम समूह को दे दिया।

साउथ कैम्ब्रिजशायर डिस्ट्रिक्ट कार्उंसिल ने नॉर्थस्टो चर्च नेटवर्क को 999 साल के लिए 0.2 हेक्टेयर जमीन लीज पर दी है, जिसके लिए उन्हें बहुत ही मामूली किराया देना होगा।

हिंदू समाज नॉर्थस्टो ने भी जमीन के लिए बोली लगाई थी और वहां एक मंदिर के साथ-साथ अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए एक सेंटर और वेलबीइंग सेंटर बनाने का प्रस्ताव दिया था लेकिन बोली का आकलन करने वाले कार्उंसिल अधिकारियों ने हिंदू समाज की बोली को 65व और एनसीएन की बोली को 81व अंक दिए, इसलिए जमीन एनसीएन को मिलेगी।

एनसीएन के प्रस्ताव में नॉर्थस्टो के मुसलमानों को एक मुख्य किराएदार (एंकर टेनेंट) के तौर पर शामिल करने की बात है, जिनके लिए अपना इस्लामिक प्रार्थना कक्ष और शिक्षा केंद्र होगा।

कैम्ब्रिजशायर में एक भी मंदिर नहीं: कैम्ब्रिजशायर में कई चर्च और मस्जिदें हैं, लेकिन एक भी मंदिर नहीं है। पूजा-अर्चना के लिए हिंदुओं को बर्मिंघम या वेम्बली तक दो घंटे का सफर करना पड़ता है। वे ऐसी सामुदायिक जगहों को तुरंत किराए पर नहीं ले सकते, जिससे त्योहार मनाना मुश्किल हो जाता है। अक्सर मूर्तियों को कैरी बैग में भरकर गैरेज में रखा जाता है और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के दौरान उनमें से कई क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। एचएसएएन ने क्या कहा? एचएसएएन की चेयर अपर्णा निगम-सक्सेना ने कहा, हमें बहुत निराशा है कि फैसला हमारे पक्ष में नहीं आया। हमें इस प्रक्रिया की पारदर्शिता और मजबूती को लेकर कई सवाल हैं।

उन्होंने कहा कि वे अपील करने के बारे में सोच रहे हैं। एचएसएएन की बोली को कई वजहों से कम आंका गया, जिसमें फाइनेंशियल ट्रैक रिकॉर्ड की कमी भी शामिल थी, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें पता नहीं था कि यह एक अहम बात है। उन्होंने कहा, अगर वे हमारे आर्किटेक्ट से तैयार कोटेशन देखना चाहते थे तो उन्हें हमें गाइडलाइंस देनी चाहिए थीं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com